@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित

सोच बिल्कुल निष्पक्ष

प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 217 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 बुधवार, 11 जून 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वशक्ति बनकर उभरा: अनुराग ठाकुर

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा नीत एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में विकसित भारत का अमृतकाल-- सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 साल के रूप में मनाया जा रहा है। हमीरपुर के सांसद ,पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को चंडीगढ़ भाजपा कार्यालय कमलम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते 11 वर्षों में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के मार्ग पर ऐतिहासिक प्रगति की है। मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में भारत हर चुनौती का सामना करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का साहस दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारी सीमाएं सुरक्षित है। भारत एक वैश्विक शक्ति बन चुका है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सब का साथ ,सबका विकास, सबका प्रयास ,सबका विश्वास मंत्र ने देश को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा है । आज देश का हर वर्ग और हर क्षेत्र एक सांझा संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है ।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी धरती पर 9 आतंकवादी कैंप और 11 एयरबेस तबाह कर दुनिया में भारत की ताकत का डंका बजाया और दुनिया को भारत की ताकत से अवगत करवाया है।

खरगे का पीएम मोदी को पत्र, लोस उपाध्यक्ष के चयन की मांग

कहा- इतिहास में पहली बार लगातार दो लोकसभा कार्यकाल से पद खाली

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जल्द से जल्द लोकसभा उपाध्यक्ष के चयन कराने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकाल से रिक्त पड़ा है, जो संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत है। खरगे ने पत्र में उल्लेख किया कि 17वीं और अब 18वीं लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद नहीं भरा गया, जबकि इससे पहले सभी लोकसभा में यह पद हमेशा बना रहा। उन्होंने बताया कि उपाध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से विपक्ष के सबसे बड़े दल को दिया जाता रहा है। खरगे ने कहा, पहली से सोलहवीं लोकसभा तक, हर सदन में एक उपाध्यक्ष होता रहा है। मोटे तौर पर, मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से उपाध्यक्ष की नियुक्ति एक सुस्थापित परंपरा रही है। हालाँकि, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार, यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों के लिए रिक्त रहा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था और यह चिंताजनक मिसाल मौजूदा अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है।

घुसपैठियों को बसा रही टीएमसी: भूपेंद्र यादव

कोलकाता/हरियाणा वाटिका एजेंसी

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों को राज्य में बसाने में मदद कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2011 में ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद महिलाओं पर हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं।

मोदी राज में अमीरों की संख्या भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी- रमेश

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रमुख क्षेत्रों में एकाधिकार के चलते आम लोगों के लिए महंगाई में जबरदस्त वृद्धि हुई है। औसत भारतीय की आय-चाहे वह ग्रामीण कृषि मजदूर हो या शहरी वेतनभोगी मध्यम वर्ग -पिछले दस वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई है। सीधे शब्दों में कहें तो मोदी राज में अमीरों की संख्या भी रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है और उनकी संपत्ति भी हैरान कर देने वाली गति से बढ़ रही है।

मोदी राज में असमानता का स्तर ब्रिटिश राज से भी आगे निकल गया'

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि 'मोदी राज' में भारत में असमानता का स्तर 'औपनिवेशिक ब्रिटिश राज' से भी आगे निकल गया है, जहां प्रमुख क्षेत्रों में 'एकाधिकार' है और औसत भारतीय के वेतन में 'स्थिरता' है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सरकार पर हमला किया, जिसमें दिखाया गया है कि आम आदमी के लिए इस बड़े पैमाने पर निराशा के बीच, भारत में 2024 में 33,000 से अधिक नए 'खास आदमी' करोड़पति जुड़ेंगे। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनडीए सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड गिनवाएं हैं।

ममता ने पहलगाम हमले को लेकर केंद्र पर साधा निशाना, मांगा इस्तीफा

कोलकाता/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश की जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह से नाकाम रही है, इसलिए उसे सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। ममता बनर्जी ने इस हमले को केंद्र की 'पूरी तरह की विफलता और लापरवाही' का नतीजा बताया।

सीएम ने किया योग दिवस प्रोटोकॉल का शुभारंभ

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विधान सभा का परिसर मंगलवार को योगमय दिखाई दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के विधायकों और विधान सभा के अधिकारी कर्मचारियों ने मनोयोगपूर्वक योग किया। हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग की समर्पित टीम ने यह योग प्रोटोकॉल करवाया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होने का आह्वान किया। यह योग अभ्यास सत्र सकारात्मक ऊर्जा, सहभागिता और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया और सभी उपस्थित लोगों को भी नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि जीवन को पूर्ण रूप से संयमित और संतुलित बनाने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया ने भारत की इस प्राचीन विद्या को अपनाया है। हम सबका दायित्व है कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ जरूरी बैठक के कारण इस कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाए।

18 मई को हुई असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा रद्द हो: सांसद दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बीते 18 मई को आयोजित लिखित परीक्षा में हुई गम्भीर अनियमितताओं का हवाला देते हुए मांग करी कि जो तथ्य सामने आये हैं उसके आधार पर केवल परीक्षा ही रद्द न हो बल्कि एचपीएससी पर कानूनी कार्रवाई करते हुए चैयरमैन को बर्खास्त किया जाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जब अनियमितताओं की शिकायतों को लेकर अभ्यर्थी एचपीएससी चेयरमैन के पास गये तो उन्होंने हरियाणा के बच्चों को ही सनकी बता दिया। ऐसे एचपीएससी चेयरमैन को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, वो स्वयं इस्तीफा दें। प्रदेश की बीजेपी सरकार हरियाणा के नौजवानों का भविष्य चौपट करने में लगी है, इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मुद्दे पर सांसद जय प्रकाश ने कहा कि लढरउ चेयरमैन और सचिव की जिम्मेदारी तय हो और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करके उनको गिरफ्तार किया जाए। मीडिया से बात करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में ऐसी कोई भर्ती नहीं हुई जिसका पेपर लीक या परीक्षा रद्द न हुई हो। इसके चलते हजारों युवा ओवरएज हो गए और सरकारी नौकरी पाने का उनका सपना पूरी तरह टूट गया। कभी परीक्षा रद्द, कभी पेपर लीक, कभी दफ्तर में घूसखोरी तो कभी प्रश्न पत्र में सवाल ही कॉपी पेस्ट करके परीक्षा की शुचिता, मयार्दा तार-तार की गई। भर्ती घोटाले, पेपर लीक और परीक्षा रद्द करने का रिकॉर्ड बनाने वाली ये सरकार सही ढंग से परीक्षा कराने में ही बार-बार फेल हो रही है।

इस सरकार की नाक के नीचे प्रदेश में 3 दर्जन से ज्यादा पेपर लीक हुए, लेकिन कभी कोई जांच नहीं हुई न तो दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई।

रोहतक में सुपर स्पेशलिटी ओपीडी का शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
रोहतक, 10 जून। दिल्ली के द्वारका में स्थित 500 बिस्तरों वाला मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, वेंकटेश्वर अस्पताल, वी केयर मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, रोहतक के साथ साझेदारी में सुपर स्पेशलिटी ओपीडी का शुभारंभ कर रहा है। यह सहयोग दिल्ली के प्रमुख विशेषज्ञों को सीधे रोहतक लाता है, जो रोहतक और पड़ोसी क्षेत्रों के रोगियों को उपयुक्त परामर्श प्रदान करेंगे। इस साझेदारी के माध्यम से, मरीज अब रोहतक में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विशेषज्ञ) , न्यूरोसर्जरी (मस्तिष्क एवं रीढ़ सर्जन विशेषज्ञ), नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग विशेषज्ञ) और गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक विशेषज्ञ प्रत्येक माह के निर्धारित दिन पर रोहतक में उपलब्ध रहेंगे, जिससे स्थानीय रोगियों को परामर्श प्राप्त करने और अपने उपचार की योजना करने में मदद मिलेगी।

वेंकटेश्वर अस्पताल, दिल्ली के सुपर स्पेशलिस्ट, डॉ. पी के सचदेवा न्यूरोसर्जन, डॉ सिद्धार्थ साहाई मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ दीपिका चौहान रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट और डॉ अमित कुमार किडनी रोग विशेषज्ञ ने अपने विचार व्यक्त किए।

वी केयर मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, रोहतक के कार्यकारी निदेशक डॉ. भूषण कथुरिया का कहना है कि यह नई सेवा जटिल स्वास्थ्य आवश्यकताओं वाले रोगियों को रोहतक के वी केयर मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल में विशेषज्ञों से सीधे परामर्श प्राप्त करने का अवसर देता है, जिससे शुरूवाती जांच के लिए दूर यात्रा नहीं करनी पड़ेगी । इस ओपीडी के साथ-साथ वेंकटेश्वर अस्पताल और वी केयर मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, रोहतक में कई और जानकारी कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे ताकि रोहतक शहर के निवासियों को स्वस्थ जीवन शैली के महत्व के बारे में पता हो।

वी केयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, रोहतक के विशेषज्ञ, डॉ. विकास कक्कड़ (एचओडी-हेड एंड नेक ओन्को सर्जन) डॉ. हिमानी ढींगरा (पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी) डॉ. श्याम नागपाल (जनरल सर्जरी) और डॉ. रोहित अरोड़ा (मेडिसिन) ने कहा, इस ओपीडी को सफल बनाने के लिए वेंकटेश्वर अस्पताल के डॉक्टर की टीम के साथ पूरा सहयोग करेंगे ताकि रोहतक और आसपास के क्षेत्रों की अधिकतम आबादी वी केयर अस्पताल, रोहतक और वेंकटेश्वर अस्पताल, दिल्ली की इस पहल का फायदा उठा सकें।

धूमधाम से मनाया साईं बाबा की मूर्ति का वार्षिक स्थापना दिवस

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। श्री दुर्गा देवी मदिर पिपली के पीठाधीश और मां दुर्गा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य व वास्तु महर्षि डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि साईं बाबा की मूर्ति स्थापना 9 जून 2011 को हुई थी। इसलिए साईं बाबा की मूर्ति स्थापना का 14वॉ वार्षिक महोत्सव भक्ति भावना से श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस उपलक्ष्य में यज्ञ, आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण का कार्यक्रम श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली में हुआ। साईं संध्या में कुरुक्षेत्र के सुप्रसिद्ध गायक बब्बू चावला और ग्रुप ने साईं बाबा की भेंटे शिर्डी वाले साईं बाबा, मेरे घर के सामने साईं तेरा मंदिर बन जाए, एक फकीरा आया शिरडी गाँव में आदि गाई और भक्तों ने साईं रंग में उमंग उत्साह से रास नृत्य किया। साईं भक्तों ने जलपान और शर्बत की छबील जनमानस हेतु लगाई। साईं बाबा की आरती के पश्चात साईं बाबा का प्रसाद भक्तों ने लिया। मां दुर्गा और भगवान के समस्त श्रद्धालु अपने मित्र और परिवार सहित पहुंचे। पुजारी पण्डित राहुल मिश्रा ने वैदिक मंत्रोचारण द्वारा पूजन और अर्चना समाज सेवी केवल कृष्ण छाबड़ा, दर्शना छाबड़ा व पवन छाबड़ा के परिवार द्वारा करवाई गई। श्री दुर्गा देवी मन्दिर की ओर से पीठाधीश डॉक्टर मिश्रा ने पंचकूला से आए पूज्यनीय पिताजी, गायक बब्बू चावला, केवल कृष्ण छाबड़ा और दर्शना छाबड़ा को समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया द्वारा रचित श्रीमद भगवद गीता और वात्सल्य प्रज्ञा पुस्तक और साईं बाबा के प्रसाद द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर परिषद पार्षद पंकज खन्ना, नरेश बंसल फौजी, भक्त सुशील तलवाड़, सुमित गुप्ता, अनिल गोयल, अंकित बंसल, सन्नी बंसल, योगेश, राजकुमार ग्रोवर, गीता ग्रोवर, मोहित बंसल, सुमित्रा पाहवा, अनु पाहवा, निशा अरोड़ा, पूजा तलवाड़ आदि मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ जागरूकता कैंपेन का आयोजन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के तत्वाधान में नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए मैदान कैंपेन चलाया गया है। भारद्वाज ने कहा कि पुलिस विभाग और डीएलएसए के पैनल अधिवक्ता रविन्द्र कुमार द्वारा गांव किशनपुरा में लोगों को मैदान कैंपेन को लेकर नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि नशा बहुत घातक सिद्ध होता है, यह शरीर को दीमक की तरह खाता है, हमें नशीली दवाइयों के दुरुपयोग को रोकना चाहिए। इसके अलावा उन्हें नालसा योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। सीजेएम ने कहा कि इन जागरुकता कैंपों का उद्देश्य है आमजन को जागरूक करना ताकि हम समाज को नशा मुक्त बना सके।

केयूके प्रशासन द्वारा हिमाचल में पर्यटकों को गुमराह करने का दिलचस्प मामला आया सामने

वेटिंग रूम को बंद कर पर्यटकों को दिया जा रहा किराए पर। कुवि कुलसचिव ने जांच करवाने का दिया आश्वासन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा हिमाचल में पर्यटकों व आमजन को गुमराह करने का दिलचस्प मामला सामने आया है। इसके बाद कुवि कुलसचिव ने सारे मामले में जांच करवाने का भरोसा दिया है। जानकारी के अनुसार हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल व कुलाधिपति रहे महावीर प्रसाद ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और विशेषकर हरियाणा भर से हिमालय की राजधानी शिमला में ग्रीष्म ऋतु का लुत्फ उठाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय निवास शिमला का निर्माण कराया था। इस आवासीय परिसर में 10 बेड्स वाली 2 बड़ी डोरमेट्रियां, एक राज्यपाल आवास, एक कुलपति आवास, 9 अतिरिक्त वीवीआईपी रूम्स और लगभग 40-50 पर्यटको के ठहराव की सुविधा है। इस आवासीय परिसर में ठहरने वाले पर्यटकों से मिलने आने वाले मेहमानों के बैठने के

लिए यहां एक आलीशान वीवीआईपी गेस्ट रूम भी बनाया गया था, जहां बैठ कर हरियाणा व हिमाचल आदि प्रान्तों से आवागमन करने वाले केबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, विधायक व सांसद जलपान वगैरा कर अपने मेहमानों का सुख दुःख भी थोड़े समय के लिए सांझा कर लिया करते थे। मगर कुछ वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी ने इस गेस्ट रूम को चंद रुपए कमाने के उद्देश्य से बंद करवा दिया, नतीजन यहां आने वाले अति वशिष्ठ मेहमान, अब अपने पर्यटक शुभचिंतक को मिलने से मरहूम हो रहे हैं। रोचक तथ्य यह है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय निवास शिमला में पर्यटकों को गुमराह करने के लिए यहां प्रवेश द्वार के सामने एक बड़ा बोर्ड लगाया गया है, जिस पर अंकित है कि यहां फर्स्ट फ्लोर पर वेटिंग रूम और डाइनिंग रूम है, जबकि हकीकत यह है कि इस अतिथि गृह अर्थात वेटिंग रूम को बंद करके इसे भी पर्यटकों को अन्य रूम्स की तर्ज पर किराए पर दिया जा रहा है। अब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन या तो इस बोर्ड को हटा दें, नहीं तो यहां पूर्ववत वेटिंग रूम/गेस्ट रूम बनाए। यहां यह भी बता दें कि शिमला या पूरे देश में जहां कही भी केंद्र सरकार, प्रांतीय सरकारो, अर्धसरकारी संस्थाओं या प्राइवेट तौर पर भी गेस्ट रूम्स, आवासीय परिसर आदि का निर्माण किया गया है, उनमें गेस्ट रूम्स का भी निर्माण किया जाता है, ताकि पर्यटकों को मिलने आने वाले वशिष्ठ लोगों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

क्या कहते हैं कुलसचिव
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेंद्र पाल सिंह ने इस बाबत पूछने पर इस पूरे मामले की जांच करवाने की बात कही है।

हमेशा सकारात्मक सोच के साथ सच्ची लगन और परिश्रम से जीवन में आगे बढ़ना चाहिए : प्राचार्य सूबे प्रताप

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की प्रेरणा से लगाये गये आर्यवीर दल योग एवं जीवन निर्माण शिविर में युवाओं को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ भारतीय संस्कारों का भी ज्ञान दिया जा रहा है। शिविर संयोजक महाशय जयपाल आर्य ने बताया

कि गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग की अध्यक्षता में चल रहे इस शिविर में कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, जींद, पानीपत आदि जिलों के विभिन्न गांवों से 500 से अधिक युवा शामिल हुए हैं जिन्हें प्रशिक्षण प्रमुख संजीव आर्य के मार्गदर्शन में वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक संदीप वैदिक, आचार्य राजकुमार, महावीर आर्य, आर्यमित्र के साथ कई सहयोगी शिक्षक योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, चन्द्र नमस्कार, डम्बल, लेजियम, जूड़ो-कराटे और लाठी चलाने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। विशेष सत्र में गुरुकुल के प्राचार्य सूबे प्रताप ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास को कैसे बेहतर बनाएं, इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास वह कुंजी है जिसके बल पर आप जीवन में बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हो और आत्मविश्वास आपके जीवन में अनुशासन और परिश्रम से आएगा। उन्होंने कहा कि स्वयं को कभी भी किसी से कमजोर या दीन-हीन नहीं समझना चाहिए बल्कि हमेशा सकारात्मक सोच के साथ सच्ची लगन और परिश्रम से जीवन में आगे बढ़ना चाहिए, तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। शिविर में भजनोपदेशक रामनिवास आर्य, जसविन्द्र आर्य द्वारा प्रेरणादायी भजनों के द्वारा युवाओं को देश अमर शहीदों व वीरों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शिविर को लेकर युवाओं में काफी उत्साह है और सभी युवा शिविर की सम्पूर्ण गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों और प्रथाओं से करवा रहा रुबरु : डा. बलजीत सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ समन्वय डॉ. बलजीत सिंह सहारण ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 एक महत्वपूर्ण पहल है जोकि किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों और प्रथाओं के बारे में जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इन सभी कार्यक्रमों में किसानों ने विभिन्न अधिकारियों से बहुत से प्रश्न पूछे तथा उन्होंने अपने नंबर को मौसम पूवानुर्मान प्राप्त करने के लिए रजिस्टर करवाया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माध्यम से 29 मई से चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत अब तक 72 गांव में जागरूकता अभियान किया जा चुका है। कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र की टीम ने जिले के आज लाडवा खंड के 6 गांव में जागरूकता अभियान चलाया। टीम-1 बण, बपदी और बापदा गांव में जागरूकता अभियान चलाया टीम-2 ने सुल्तानपुर, कलीरानों और बहलोलपुर गांव में जागरूकता अभियान चलाया। डा. बलजीत सिंह सहारण ने कहा कि 13 दिन से चल रहे इस अभियान में सरकार का लक्ष्य यही है कि किसानों तक पहुंच कर उनको जागरूक किया जाए ताकि वह आने वाले खरीफ सीजन में इसका फायदा उठा सके। इस अभियान में धान की सीधी बिजाई, पानी और मिट्टी की जांच मशरूम उत्पादन, पोषण वाटिका, मौसम पूवानुर्मान और प्राकृतिक खेती के बारे में विचार सांझा किए गए। आज के इस अभियान में लाडवा खंड के कलीरानो गांव में ड्रोन डेमोंस्ट्रेशन दिखाया गया। इसके माध्यम से किसानों को ड्रोन से कैसे खाद और दवाई का छिडकाव कर समय और पैसे की बचत कर सकता है उसके बारे में प्रदर्शन गया है। ड्रोन के महत्व और इस पर मिलने वाले सब्सिडी के बारे में विस्तार से किसानों को बताया गया। उन्होंने कहा कि बागवानी विभाग, भारतीय गेहूं एवं जौं अनुसंधान संस्थान, करनाल के अधिकारी, मत्स्य विभाग के अधिकारी, स्टेट एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट और पशु विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न प्रकार की जानकारी तथा सब्सिडी के बारे में बात कर किसानों को जागरूक किया। इन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के स्टेट एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के अंतर्गत एटम, बीटीएम और सुपरवाइजर तथा आत्मा स्कीम से जुड़े हुए व्यक्तियों ने अपना संपूर्ण सहयोग देकर इन कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पशुधन और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं लागू: उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत

चालू वित्त वर्ष के दौरान लोहारू उपमंडल में 1310 ब्रुसेला वैक्सीन लगाई गई: डॉ. रविंद्र सहरावत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 10 जून। पशुपालन विभाग द्वारा नस्ल सुधार तथा पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा चालू वित वर्ष के दौरान भेड़ बकरियों को रोग मुक्त करने के लिए भेड़ फॉक्स, पीपी आर,चकरी रोग आदि की वैक्सीन का कार्य किया गया तथा गाय, भैंस आदि पशुओं में बांझपन को दूर करने के लिए वैक्सीनेशन का कार्य किया गया।

यह जानकारी देते हुए पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत ने बताया कि विभाग द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान लोहारू उपमंडल में 1310 ब्रुसेला वैक्सीन लगाई गई। चार हजार भेड़ों को भेड़ पॉक्स की वैक्सीन लगाई गई। 3600 को पीपीआर तथा पांच हजार को ईटीवी की वैक्सीन लगाई गई तथा 10850 पशुओं को कर्मीरहित किया गया। पशुपालन विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ राजकुमार बेनीवाल ने बताया कि पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं शुरू की गई है। सरकार द्वारा सुरभि चयन श्रृंखला योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अधिक दूध देने वाली उत्तम नस्ल के पशुओं को प्रोत्साहन दिया जाता है। नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत चालू वर्ष में करीब चार हजार गायों का कृत्रिम गभार्धान किया गया और करीब आठ हजार अधिक भैंस का भी कृत्रिम गभार्धान किया गया। उन्होंने बताया कि पशुधन को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा प्रदेश में हर वर्ष पशु मेलों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हर प्रकार के उत्तम नस्ल के पशु मेले में आते हैं और उन्हें सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जा रहा है। पशुपालन की नई तकनीक की जानकारी दी जा रही है। पशुपालन के लिए नई तकनीक उत्तम नस्ल तैयार करने की जानकारी विभाग द्वारा दी जा रही है। विभाग द्वारा छोटी डेयरी, बड़ी डेयरी, चारा बनाने के लिए उद्योग तथा हाईटेक बड़ी-बड़ी डेयरी के लिए भी विभाग द्वारा सब्सिडी व रियायती दरों पर लोन भी दिया जा रहा है।

जिला कारागार में बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार में कैंपेन दीवारों के भीतर न्याय- कैदियों को कानूनी अधिकारों से सशक्त बनाने के अंतर्गत, लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा कैदियों को उनके अधिकारों के बारें में जागरूक किया गया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस कैंपेन में उन्हें डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उधर, सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा 12 जुलाई को होने वाली नेशनल लोक अदालत के बारे में जागरूक करने के लिए कोर्ट परिसर में हैल्प डेस्क लगाया गया है। उन्होंने कहा कि डीएलएसए के पीएलवीज द्वारा लोगों को पैंपलेटस देकर लोक अदालत के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस हैल्प डेस्क का उद्देश्य है लोगों में अधिक से अधिक जागरूकता लाना है।

प्राणायाम से शरीर की शुद्धि होती है :- सुरेश मंगला

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। प्राणायाम से शरीर के अन्दर के अंग एवं आसन से शरीर के बाहरी अंग स्वस्थ होते है। शरीर की शुद्धि होने के कारण हम निरोग हो जाते है। योग के द्वारा तन,मन एवं आत्मा स्वस्थ होती है। जिससे दवाओं पर लगने वाला पैसा बचता है और जीवन में आर्थिक समृद्धि आती है। यह बात पतंजलि योग समिति,महिला योग समिति एवं भारतस्वाभिमान ट्रस्ट रतिया द्वारा पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के तत्वाधान में टिब्बा कॉलोनी स्थित श्रीराम आश्रम शिव मंदिर प्रांगण में चल रहे 10 दिवसीय सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाते हुए मीडिया प्रभारी सुरेश मंगला ने कही। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया है कि 21 जून को कुरुक्षेत्र में होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचें और योग के लाभों को समझें। उन्होंने कहा कि आइए,हम सभी मिलकर योग के माध्यम से अपने जीवन को स्वस्थ और समृद्ध बनाएं।

इस मौके पर जिला प्रभारी धर्मवीर ललित,महिला प्रभारी यश्वी मेहता,संजु मेहता,रेखा जैन,सुशील बांसल,चिमनलाल सिंगला,देवी लाल चंदौरा,संजीव गोयल,शिव बांसल,दविन्द्र बजाज,डॉ.नरेश गोयल,गगन स्वरूप मंगला सहित काफी संख्या में साधक मौजूद थे।

40 मरीजों के स्वास्थ्य को जांच निशुल्क दवा दी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 10 जून। लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से चलाई गई मेडिकल वैन शहर के पुराने शिव मंदिर में पहुंची। डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में टीम ने मरीजों का चेकअप करने के बाद उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गई। 40 लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया। यशस्वी योजना से संबंधित कई आवेदन शिविर में पहुंचे। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक इस्माईलाबाद के पुराने शिव मंदिर में मेडिकल कैंप लगाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष चिरंजीव गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो संकल्प लेकर चल रहे हैं। उसमें सांसद नवीन जिंदल ने 2035 तक लक्ष्य प्राप्ति का जिम्मा उठाया है।

सूर्य देव के तीखे तेवर: किसानों द्वारा की गई अगेती खरीफ फसल की बुवाई अब झुलसने के कगार पर

-14 जून को मौसम परिवर्तन के आसार- किसानों की बुवाई पूरी तरह से प्रभावित, बरसात नहीं हुई तो चौपट हो जाएगी बुवाई

अमित वालिया, लोहारू
सूर्यदेव के तल्खी तेवर और कमजोर मानसून के झटके ने इस साल खरीफ फसलों की बुवाई को बुरी तरह से प्रभावित किया है। गत सप्ताह हुई बरसात के चलते किसानों ने ग्वार, बाजरा की बुवाई कर दी थी परंतु सूर्य की तपिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया है बुवाई की गई फसलें पूरी तरह से झुलसने लगी हैं। तापमान की अधिकता ने किसानों की ढूषचता का बढ़ा दिया है। इस बार लोहारू क्षेत्र के किसानों ने कपास में इसलिए दिलचस्पी कम दिखाई थी क्योंकि कपास की फसल उनके लिए घाटे का सौदा बन गया था। जून की पहली बरसात में किसानों ने अपने खेतों में ग्वार, बाजरे की बुवाई करना मुनासिब समझा था परंतु 45 डिग्री तापमान उनकी फसलों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि लोहारू के आसपास का क्षेत्र राजस्थान सीमा से लगता हुआ है। अमूमन यहां पर जून माह में तापमान अपने चरम पर होता है। यहां की भूमि जल्द ही सूख जाती है। खरीफ के सीजन में किसान कपास, ग्वार, बाजरा, मूंग

की खेती में दिलचस्पी दिखाते हैं। यदि विगत सीजन की बात की जाए तो करीब 31 हजार एकड़ में कपास की बुवाई हुई थी परंतु इस बार 23 हजार एकड़ में ही कपास की बुवाई हो पाई है जो विगत वर्ष की तुलना में 8 हजार एकड़ कम है। वहीं 28 हजार एकड़ में बाजरा, करीब 3 हजार एकड़ में मूंग व 12 हजार एकड़ में ग्वार की बुवाई हुई थी। कमजोर मानसून व कम बरसात और 45 डिग्री तापमान ने किसानों की अगेती बाजरे, ग्वार की फसल को पूरी तरह से प्रभावित किया है। अगेती बाजरे, ग्वार की फसलों को इस समय बरसात की जरूरत है परंतु बरसात की कमी और बढ़ते तापमान से फसल झुलसने लगी हैं। किसान प्रभु काजला, जयसिंह शर्मा, मनोज शर्मा, रणधीर सांगवान, ईश्वर काजला, रघुवीर सिंह, सुमेर सिंह, राजेश श्योराण, राजेश बरालु आदि ने बताया कि कपास की फसल उनके लिए घाटे का सौदा बन रही थी इसलिए अबकी बार उन्होंने ग्वार, बाजरा, मूंग की खेती करने की सोची और विगत सप्ताह हुई बरसात में उन्होंने उम्मीद के साथ इन फसलों की बुवाई भी कर दी परंतु चार दिनों से बढ़ते तापमान के कारण उनकी फसलें झुलसने लगी हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त बिजली आपूर्ति भी नहीं होती कि इन फसलों को हल्का पानी दे दिया जाए यदि एक दो दिनों में बरसात नहीं हुई तो उनकी फसल पूरी तरह से झुलस जाएंगी। इसके बाद उनको खाद, बीज और खेत की बुवाई का खर्चा फिर से उठाना पड़ेगा जो उनके लिए घाटे का सौदा होगा।

14 जून को मौसम में परिवर्तन का पूर्वानुमान
कृषि मौसम विज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा मौसम अपडेट में बताया गया है कि 13 जून तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तर पश्चिमी व पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है जो गर्म व शुष्क होने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी और होने की संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में बढ़ोतरी से बीच बीच में हल्के बादल तथा कहीं कहीं धूल भरी हवाएं चलने की भी संभावना है। परंतु 14 जून को हवाओं में बदलाव पश्चिमी से उत्तर पूर्वी होने की संभावना है जिसे वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने व आंशिक बादलवाई आने की संभावना है। इससे तापमान में कमी आने वाली है।

इग्नू में जुलाई 2025 सत्र दाखिलों के लिए पोर्टल खुला: डॉ धर्म पाल

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 10 जून। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्विद्यालय (इग्नू) में जुलाई 2025 सत्र के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जो लोग कौशल आधारित और ज्ञान आधारित शिक्षा लेना चाहते है उनके लिए इग्नू सबसे उपयुक्त विश्वविद्यालय है क इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन करके उनके लिए उत्थान के समान अवसर उपलब्ध करवाना है क इग्नू रिमोट एरिया, गांव देहात के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही है क ऐसे विद्यार्थी जो किसी भी कारण से रेगुलर कॉलेज और विश्विद्यालय में नहीं जा सकते तो ऐसे विद्यार्थी आसानी से इग्नू के माध्यम से पढ़ाई कर डिग्री हासिल कर सकते हैं। जॉब करने वाले कैंडिडेट भी आसानी से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकते हैं और इग्नू के किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते है ऐसे इच्छुक विद्यार्थी जिनको प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी उनके लिए इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली एक उपयुक्त प्लेटफार्म है

गर्मी में हीट वेव से करें बचाव, बरतें एहतियात: एसडीएम मनोज दलाल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 10 जून। एसडीएम मनोज दलाल ने बताया कि प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए हिदायतें जारी की गई है, जिसका सभी पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखें। गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। पशुपालक किसान भी अपने पशुओं का विशेष ध्यान रखें। पशु को दिन में चार-पांच बार पानी पिलाए और गर्मी से बचाव रखें। पशुओं को पेड़ की गहरी छांव में रखें। एसडीएम मनोज दलाल ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई हिदायतों की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढंक कर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। पार्किंग के समय बच्चों को वाहनों में छोडकर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है। नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन ना करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 3 बजे के बीच धूप में सीधे ना जाएं। यदि बच्चे को उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं। एसडीएम ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर जब वे अकेले हों तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें। यदि वे गर्मी से बेचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें, उनके शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।

सतयुग संगीत कला केंद्र के 10 दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन, समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। सतयुग संगीत कला केंद्र शीला नगर में 10 दिवसीय समर कैंप का समापन किया गया। प्रतिभागियों सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ उनके अंदर छिपी प्रतिभाओं को उभारना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। समर कैंप में विद्यार्थियों को गिटार, कोंगो, वेस्टर्न डांस, सेमी क्लासिकल डांस, जुंबा सिखाए गए। कैंप में बच्चों ने गुणात्मक व कलात्मक विकास के लिए गतिविधियों में भाग लेकर अपने ज्ञान में बढ़ोतरी की। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक से बढ़कर एक शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों ने कैंप में सीखी हुई विभिन्न प्रतिभाओं को प्रस्तुत किया। केंद्र के शिक्षक सरदार अमरजीत, मोहित एवं अतिथि शिक्षकों लिपिका और नितेश ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। संगीत कला केंद्र की प्रिंसीपल अनु ललित ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस कैंप के माध्यम से बच्चों ने 10 दिन में जो सीखा उसका आगे भी वह बेहतरीन प्रदर्शन करते रहेंगे। प्रिंसिपल अनु ललित ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार एक्टिवीटिज में प्रशिक्षण दिया गया। अनु ललित ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा के साथ ही खेल व अन्य गतिविधियां बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। बच्चों में अच्छे गुणों और संस्कारों का बीच बोने का यह सही समय है। इस समय उनके अंदर लचीलापन होता है। समर कैंप के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

हमीदपुर बांध के मजबूतीकरण का काम अंतिम चरण में

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 10 जून। हरियाणा सरकार जल संचयन तथा संरक्षण पर विशेष फोकस कर रही है। इसी उद्देश्य को लेकर जिला महेंद्रगढ़ में हमीदपुर बांध के मजबूतीकरण का कार्य चल रहा है। बारिश के सीजन में एक तरफ यहां जल का संचयन होगा वहीं बांध मजबूत होने से जान-माल का नुकसान भी नहीं होगा। इस कार्य का निरीक्षण करने के लिए आज उपायुक्त डॉ विवेक भारती खुद हमीदपुर बांध पर पहुंचे तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि बारिश के सीजन से पहले हमीदपुर बांध के कार्य को पूर्ण किया जाए। संबंधित विभाग को इस सम्बंध में हिदायत दी गई है कि अधिकारी मौके पर रहकर कार्य को पूर्ण करवाएं।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाबद्ध तरीके से हमीदपुर बांध का कार्य करवाया जाए ताकि बाढ़ की स्थिति में हमीदपुर गांव व आस-पास के इलाके की आबादी को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह बांध बनाने का मुख्य लक्ष्य जल का संचयन करना है।
उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस सम्बंध में लगातार अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करके दिशा-निर्देश देते रहे हैं।

माँ शीतला माता मंदिर ट्रस्ट ने लगाई फ्रूट, मिठाई व ठंडे मीठे पानी की छबील

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। भीषण गर्मी को देखते हुए आज राहगीरों के लिए टोहाना रोड आजाद मार्केट के सामने मां शीतला मंदिर सेवा ट्रस्ट ने अन्य संस्थाओं के सहयोग से

जलजीरा, मीठे पानी, दही लस्सी, मैंगो जूस ,शरबत दूध डालकर, मिठाई, फ्रूट सेवा की छबील लगाई गयी। इस मौके पर शिव दल लंगर कमेटी ने भरपूर सहयोग किया। इस मौके पर सेवादार प्रधान पुजारा लाल चुघ, मदनलाल सेतिया, राजू शाक्य, काला बबनपुरिया, मनोहर लाल कुकरेजा, रोशन लाल सचदेवा, वेद प्रकाश बेदी, चंद्र सेन जिंदल, रोशन लाल सचदेवा, शीतला माता मंदिर सेवा ट्रस्ट की सभी सदस्य व मास्टर महेश शास्त्री, सतीश शास्त्री, रामकरण शास्त्री ने इस मौके पर सारा दिन कड़ी धूप में सेवा कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अंत में ट्रस्ट द्वारा सभी सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

6वीं पातशाही के प्रकाश पर्व पर सजा रात्रि दीवान, संगत ने लिया गुरबाणी का आनंद

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 10 जून। गुरुद्वारा ज्ञानी संत सिंह जी में छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रात्रि के समय विशेष दीवान सजाए गए, जिसमें संगत ने भारी संख्या में शिरकत की और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष नतमस्तक होकर अपनी हाजिरी भरी।
समागम से पहले सुबह के समय स्त्री सत्संग सभा द्वारा पिछले 40 दिनों से लगातार किए जा रहे श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ की लड़ियों की समाप्ति हुई। पाठ समाप्ति के उपरांत रात्रि दीवान की शुरूआत हुई, जिसमें हेड ग्रंथी ज्ञानी परमजीत सिंह जी ने श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के जीवन और इतिहास से संगत को जोड़ा। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गुरु साहिब ने मीरी और पीरी का संदेश देते हुए सिखों को धर्म और राज दोनों

में सजग रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर हरियाणा सिख पंथक दल के प्रवक्ता जगदेव सिंह गाबा ने जानकारी दी कि गुरुद्वारा ज्ञानी संत सिंह में वर्षों से सिखों के सभी गुरुओं के प्रकाश पर्व पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि यहां की सिख नौजवान सभा और स्त्री सत्संग सभा निरंतर गुरमत प्रचार में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मंजीत सिंह खालसा ने बताया कि इस पावन अवसर पर अटूट लंगर, छबील और नींबू पानी की सेवा भी पूरी श्रद्धा से साध संगत द्वारा की गई। लंगर सेवा में शहर व आसपास की संगत ने तन, मन, धन से सहयोग दिया। समागम में विशेष रूप से उपस्थित रहने वालों में हरविंदर सिंह बिंद्रा, हरजीत सिंह राणा, सुरजीत सिंह जुनेजा, जगजीत सिंह मक्कड़, मोहन सिंह, ठेकेदार दलविंदर सिंह, बलविंद्र सिंह कोहली और सुखबीर सिंह बिट्टा सहित बड़ी संख्या में साध संगत मौजूद रही।

क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन से रोजाना हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद, जनस्वास्थ्य विभाग नहीं ले रहा संज्ञान

घरों में हो रही दूषित पानी की आपूर्ति, लीकेज से बना गड्ढा दे रहा हादसे को निमंत्रण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 10 जून। एक ओर जनस्वास्थ्य विभाग जहां जल संरक्षण मुहिम चलाकर पेयजल बबार्दी रोकने के नाम पर कस्बे में अवैध कनेक्शन काटने के लिए अभियान चला रहा है तथा लोगों को जल के महत्व के प्रति जागरूक करने के दावे कर रहा है वहीं दूसरी ओर कस्बे में जनस्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही तथा जिम्मेदारों की अनदेखी से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की बबार्दी हो रही है। कस्बे की मुख्य फिरनी के पास पाइप लाइन लीकेज के चलते सप्लाई के समय काफी दिनों से पानी बर्बाद हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार इसकी मरम्मत की सुध नहीं ले रहे हैं। वहीं कस्बे की मुख्य फिरनी होने तथा हजारों की आबादी के बावजूद पाइपलाइन लीकेज के कारण बना गहरा गड्ढा तथा उसमें भरा पानी किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता है। पाइपलाइन लीकेज के कारण स्थानीय निवासी भी खासे परेशान है तथा उनके घरों की नींव में लीकेज का पानी जा रहा है जो उनके मकान को भी नुकसान पहुंचा रहा है। मजे की बात यह है कि यहां से रोजाना

जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का आवागमन भी रहता है परंतु किसी का भी इस ओर ध्यान नहीं है। स्थानीय निवासियों की माने तो पानी लीकेज काफी समय से हो रहा है इसके लिए कई बार मौखिक रूप से विभाग को अवगत करवाया जा चुका है परंतु कोई भी सुध लेने वाला नहीं है। उन्होंने बताया कि पानी की आपूर्ति वाली पाइप लाइन टूटी पड़ी हुई है। सड़क के किनारे पाइप लाइन टूट जाने और पानी बहने से एक ओर जहां गंदगी फैल रही है। वहीं पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद यह गंदा पानी वापस पाइप लाइनों में पहुंच जाता है। दोबारा सप्लाई में ये घरों तक जाता है। इससे संक्रमण फैलने का डर लोगों को सताता है। स्थानीय निवासियों बाबूलाल वालिया, भीम वालिया, अशोक शेखावत, महेश कुमार, मुकेश, सुमेर, सोनू, राजेश आदि ने बताया कि मुख्य फिरनी पर करीब सप्ताह भर से पाइपलाइन लीकेज है तथा इस बारे विभाग को भी अवगत करवाया जा चुका है परन्तु कोई समाधान नहीं किया गया। आलम यह है कि पाइपलाइन लीकेज के कारण यहां गहरा गड्ढा भी बन गया है जिसमें सप्लाई के समय पानी भर जाता है जो गहरा होने के कारण खतरे से खाली नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य फिरनी से प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन भी होता है तथा यहां के निवासी कस्बे के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, सीएचसी, उप तहसील, महेंद्रगढ़ रोड, रेलवे स्टेशन सहित सभी मुख्य स्थानों पर जाने के लिए फिरनी से ही आवागमन करते है। ऐसे में आवागमन के समय हर पल हादसे का खतरा मंडराता रहता है तथा यहां से निकलने वाले यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं आसपास के घरों की नींव में भी पाइपलाइन लीकेज का पानी जा रहा है जिससे उनके मकान की नींव भी कमजोर हो रही है। स्थानीय निवासियों ने संबंधित विभाग तथा प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पाइपलाइन लीकेज को दूर करवा कर इसे दुरुस्त किया जाए ताकि पानी की व्यर्थ बबार्दी भी न हो तथा हादसे का खतरा भी न रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विभाग द्वारा जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे रोष प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।
इस बारे में जनस्वास्थ्य विभाग के जेई कुणाल ने बताया कि यह समस्या उनके संज्ञान में है। मैन पाइपलाइन से किसी व्यक्ति ने अपना कनेक्शन करवाया था जिसके बाद लीकेज की दिक्कत आई है। पाइपलाइन लीकेज को दूर करने के लिए कर्मियों को निर्देश दिए गए है। जल्द ही लीकेज दूर कर दी जाएगी।

सभी को मिलकर करना होगा नशे जैसी बुराई को जड़ से खत्म : पीताम्बर सिंह राणा

बोले : युवाओं को नशे से बचाने की अपील, माता-पिता को सतर्क रहने की सलाह

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 10 जून। प्रसिद्ध समाजसेवी पीताम्बर सिंह राणा ने अपने प्रतिष्ठान पर एक विशेष भेंटवार्ता के दौरान कहा कि नशा आज के समाज की सबसे खतरनाक और विनाशकारी बुराई बन चुका है, जो न केवल व्यक्ति के शरीर को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि उसकी बुद्धि, विवेक और भविष्य को भी बर्बाद कर देता है।
उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश का भविष्य

हमारी युवा पीढ़ी पर निर्भर है, और यदि यही पीढ़ी नशे की चपेट में आ गई तो समाज और राष्ट्र दोनों के लिए यह घातक होगा। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं का सेवन मस्तिष्क की कार्यक्षमता को कमजोर करता है, स्मृति और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है, जिससे व्यक्ति मानसिक तनाव, व्यामोह और गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है। समाजसेवी पीताम्बर राणा ने माता-पिता से विशेष अपील की कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और समय-समय पर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा, "नशा कोई शान नहीं, बल्कि विनाश का रास्ता है, जिसे जितना जल्दी छोड़ा जाए, उतना बेहतर है।" उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शराब, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों से दूर रहें और समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अंत में पीताम्बर सिंह राणा ने कहा, "समाज तभी स्वस्थ और उन्नत बन सकता है, जब हम सभी मिलकर नशे की जड़ को उखाड़ फेंकेंगे।"

कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक परियोजना को नवंबर माह तक किया जाएगा पूरा : सुभाष सुधा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रोजैक्ट को लेकर की बातचीत

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। कुरुक्षेत्र में निमार्णाधीन एलिवेटिड रेल ट्रैक परियोजना का निर्माण कार्य नवंबर माह तक पूरा किया जाएगा। इस प्रोजैक्ट पर केन्द्र और राज्य सरकार की तरफ से लगभग 350 करोड रुपए का खर्च आएगा। अहम पहलू यह है कि इस परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नवंबर माह में कर सकते है। इस परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने सेक्टर 7 आवास कार्यालय पर लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत कार्यकताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रेलवे एलिवेटेड ट्रैक उनका ड्रीम

प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को लेकर लंबा संघर्ष किया और शहर में थर्ड गेट और झांसा रोड पर बनने वाले आरओबी और कई जगहों पर अंडर पास को रूकवाकर शहर के 5 रेलवे फाटकों से निजात देने के लिए रेलवे एलिवेटेड ट्रैक की एक परियोजना तैयार की। इस परियोजना को तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के समक्ष रखा। उन्होंने इस प्रोजैक्ट पर अपनी सहमति व्यक्त की और बकायदा इस परियोजना का छोटे रेलवे स्टेशन पर शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों और अन्य प्रशासनिक विषयों के कारण रेलवे ऐलिवेटिड ट्रैक परियोजना निर्धारित समय अवधि में पूरी नहीं हो पाई और अब पुराने रेलवे स्टेशन पर भी एक भव्य रेलवे स्टेशन बनाने के विषय को जोड़ा गया है।

विश्वास पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में किया धमाका, अब थाईलैंड में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 10 जून। विश्वास पब्लिक स्कूल की होनहार छात्राएं पायल और पलक ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। गोवा के पणजी स्थित कला अकादमी ऑडिटोरियम में 2 से 5 जून 2025 तक आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव" में इन्होंने अपने अर्धशास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया और प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे हरियाणा और भारत का नाम रोशन किया। पायल और पलक ने "खुला आयु वर्ग" की अर्धशास्त्रीय युगल नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान हासिल किया। यही नहीं, विद्यालय की नृत्य अध्यापिका खुशी मैडम के मार्गदर्शन में दस सदस्यीय दल के साथ इन्होंने सीनियर वर्ग की समूह नृत्य प्रतियोगिता में भी शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान और "बेस्ट परफॉर्मेंस ऑफ द सेशन" का पुरस्कार भी जीता। इस तरह इन प्रतिभावान छात्राओं ने कुल तीन पुरस्कार जीतकर प्रतियोगिता में हैट्रिक बनाई। इन उपलब्धियों के चलते पायल और पलक का चयन अब थाईलैंड में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया है, जो पूरे विद्यालय और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय में लौटने पर इन छात्राओं का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य स्नेह राजपाल ने छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल है। इन छात्राओं ने विद्यालय, शाहाबाद और राज्य को गर्व से भर दिया है। उन्होंने यह भी आशा जताई कि ये छात्राएं थाईलैंड में भी भारत का परचम लहराएंगी और एक बार फिर देश को गौरवान्वित करेंगी। इस उपलब्धि से न केवल छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ है, बल्कि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली है कि वे भी अपनी प्रतिभा को निखारकर अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं।

डीसी से लगाई गुहार, डीसी ने तुरंत दिलवा दी विद्यार्थी को ई-ट्राइसाइकिल

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 10 जून। डीसी प्रीति ने बरटा गांव के दिव्यांग विद्यार्थी अमन को ई-ट्राइसाइकिल प्रदान की। वह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनौरी स्कूल में 12वीं कक्षा का विद्यार्थी है। स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। मंगलवार को अमन परिजनों के साथ डीसी कार्यालय में आया और अपनी परेशानी को डीसी प्रीति के समक्ष रखा। डीसी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल को मौके पर बुलाया और अमन को ई-ट्राइसाइकिल व एक अच्छा पेन भेंट किया। ई-ट्राइसाइकिल पाकर अमन व उनके परिजनों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। डीसी प्रीति ने यह ई-ट्राइसाइकिल दिव्यांग अमन को शिक्षा प्राप्त करने और समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करेगी। वह अब किसी पर निर्भर नहीं रहेगा। दिव्यांगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकार व जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है।

152-जी सबकोरिडोर पर रास्ता न मिलने से नाराज किसान 13 जून को करेंगे काम बंद, सड़क जाम की दी चेतावनी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
शाहाबाद मारकंडा, 10 जून। गांव जलबेहड़ा से पट्टी शहजादपुर तक बन रहे 152-जी सब कॉरिडोर, जो लगभग 22 किलोमीटर लंबा है, उसके चलते पिछले दो वर्षों से प्रभावित किसान अपनी जमीन के एक हिस्से तक भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। रास्ता न मिलने से आक्रोशित किसानों ने ऐलान किया है कि 13 जून को वह निर्माण कार्य बंद करवाएंगे और मार्ग अवरुद्ध करेंगे। जानकारी देते हुए किसान जसबीर सिंह मामू माजरा, हरमीत सिंह, स्वर्णजीत सिंह, परमिंद्र सिंह और खजान सिंह ने बताया कि सब कॉरिडोर के निर्माण के कारण उनकी भूमि दो भागों में बंट चुकी है। मगर प्रशासन ने अब तक कोई रास्ता उपलब्ध नहीं करवाया है जिससे वे अपने खेतों में आ-जा सकें। किसानों का कहना है कि सरकार ने 45 से 60 मीटर चौड़ा एरिया लिया है और दोनों ओर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे उनकी आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन केवल आश्वासन देता है लेकिन अमल नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में भी सरकार ने अभी तक 3ए लागू नहीं किया, जबकि 3ए से 3बी तक का पूरा सरकारी प्रोसेस छह महीने का होता है। इसके साथ ही किसानों ने यह भी बताया कि पानी की निकासी के लिए लगाए गए पाइप भी बंद पड़े हैं, जिससे बरसात के समय खेतों में पानी भरने की आशंका है। किसानों का कहना है कि सरकार की मंशा रास्ता देने की प्रतीत नहीं होती। अधिकारी सिर्फ एक महीने का समय मांगते हैं, लेकिन किसान अब और इंतजार करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि 13 जून से जब तक रास्ता नहीं दिया जाएगा, तब तक वह निर्माण कार्य नहीं चलने देंगे और आवश्यक हुआ तो अपने स्तर पर रोड जाम भी करेंगे। किसानों ने निर्माण कर रही कंस्ट्रक्शन कंपनी से भी अनुरोध किया है कि वह कोई नया काम शुरू न करें, ताकि किसी तरह का टकराव न हो। साथ ही यह भी कहा कि यदि टकराव होता है तो इसके जिम्मेदार प्रशासन और सरकार होंगे। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वे टकराव नहीं चाहते और यदि सरकार या प्रशासन संवाद करना चाहता है तो उनके दरवाजे खुले हैं, लेकिन अब उन्हें मौके पर स्थायी समाधान चाहिए, सिर्फ आश्वासन नहीं।

संपादक की कलम से

हिंसाग्रस्त मणिपुर, अकेले तिरंगा लहराते मोदी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। मैतेई कट्टरपंथी संगठन 'अरम्बाई टेंगोल' के नेता की कथित गिरफ्तारी के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन होने लगा, जिसका असर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों इन पांच जिलों पर खास तौर से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों-बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, वहीं इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी। क्वाकीथेल में कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि गोलियां किसने चलाईं। खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है तो प्रदर्शनकारियों ने तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के द्वार का घेराव भी किया और सड़क के बीच में सो गए।

ये सारा हाल जाहिर करता है कि विरोध प्रदर्शन और कितना बढ़ सकता है। इसके बाद एहतियातन प्रशासन ने इन पांच जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाले चित्र, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है, लेकिन जिस कानून और व्यवस्था का हवाला देकर फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं, क्या उसका कोई नामलेवा अभी राज्य में बचा है, यह सवाल अब सीधे केंद्र सरकार से किया जाना चाहिए।

पिछले 2 सालों से मणिपुर अशांत बना हुआ है। मई 2023 में भड़की हिंसा की चपेट में पूरा राज्य आ गया, और हत्या, लूटपाट, आगजनी की असंख्य घटनाओं के बीच दो युवतियों के साथ बलात्कार और नग्न परेड जैसी अमानवीय, नृशंस घटनाएं भी हुईं। जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठी। ऐसी भयावह परिस्थिति किसी सैन्य शासन या तानाशाही वाले देश या किसी युद्धग्रस्त देश में घटती तो यह सवाल नहीं उठता कि सरकार क्या कर रही है। हमने पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर मध्य एशिया या अफ्रीका के कई कमजोर देशों में इस तरह की घटनाओं को होते देखा है, क्योंकि वहां लोकतंत्र नहीं है या अगर है तो उसे कमजोर कर दिया गया है। इसके बाद यही गनीमत लगती है कि भारत में लोकतंत्र बना हुआ है, जिसमें आम जनता रोजमर्रा की परेशानियों से भले जूझे, लेकिन इस तरह के अतिरेक से बची रहती है। किंतु दो सालों से मणिपुर के हाल देखकर सवाल उठता है कि क्या वाकई लोकतंत्र के रास्ते पर देश चल रहा है या केवल दिखावा हो रहा है।

दो साल हो गए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब तक एक बार भी मणिपुर नहीं गए, संसद में भी उन्होंने इस राज्य के हालात पर तभी बयान दिया जब विपक्ष ने अपना दबाव बनाया और सुप्रीम कोर्ट को भी दखल देना पड़ा। इस बीच मणिपुर में बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और 100 से अधिक दिनों से अब वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। हालांकि इस बीच भाजपा की तरफ से सरकार बनाने के दावे पेश किए जाते रहे हैं। लेकिन शायद विधायकों को केंद्र की भाजपा से हरी झंडी नहीं मिल रही। शायद भाजपा अब मणिपुर की जिम्मेदारी ही नहीं लेना चाहती है। बीते 2 साल से ज्यादा समय से जारी हिंसा में 270 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों लोग घायल हुए हैं। करीब 60 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इन दो सालों में श्री मोदी ने देश-विदेश की करीब 3 सौ यात्राएं की हैं, लेकिन मणिपुर जाने के लिए दो-तीन घंटे का वक्त भी उन्होंने नहीं निकाला। न ही वे दिल्ली बैठकर मणिपुर के मुद्दे को हल करने के लिए किसी तरह गंभीर दिख रहे हैं। अगर ऐसा होता तो शायद परिणाम सामने रहते। मगर इस समय ऐसा लग रहा है मानो भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए मणिपुर अस्तित्व ही नहीं रखता है। अपने ही देश के एक राज्य के साथ यह सौतेला व्यवहार आखिर नरेन्द्र मोदी क्यों कर रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है। अभी भाजपा मोदी सरकार के 11 सालों का जश्न देश भर में मनाने की तैयारी में है। खुद श्री मोदी ने इस बारे में ट्वीट किया कि बीते 11 सालों में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। इन वर्षों में हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे न सिर्फ ऐतिहासिक हैं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को सरल और बेहतर बनाने में सहायक रही हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने इन प्रयासों से एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना जरूर साकार करेंगे।

प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण जैसे शब्दों का मणिपुर में कोई स्थान है या नहीं। जम्मू-कश्मीर जाकर पुल से अकेले तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति और देशसेवा प्रदर्शित करने की नाटकीयता श्री मोदी को दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती, अगर वे वाकई तिरंगे के तहत आने वाले तमाम राज्यों को समभाव से देखते हुए ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाते।

लगातार रहता है कंधों में दर्द तो जरूर करा लेने ये टेस्ट

अगर आपको अक्सर कंधे में दर्द बना रहता है और वह ठीक होने का नाम नहीं ले रहा है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. बहुत से लोग इसे सामान्य दर्द समझकर घरेलू इलाज करते रहते हैं, लेकिन यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है. आइए डॉक्टर से जानते हैं कि अगर कंधे में लगातार दर्द हो रहा है, तो कौन-कौन से मेडिकल टेस्ट कराने जरूरी हैं और यह दर्द किन कारणों से हो सकता है.

कंधे का दर्द कई कारणों से हो सकता है. ये आमतौर पर मांसपेशियों में खिंचाव, गलत पॉश्चर, भारी सामान उठाने या किसी चोट के कारण हो सकता है. लेकिन कई बार यह दर्द फ्रोजन शोल्डर, रोटेटर कफ इंजरी, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस या हृदय संबंधी समस्या जैसे गंभीर कारणों की ओर इशारा करता है.

सर्वोदय अस्पताल में आर्थोपैडिक विभाग में डॉ. अंचिल उप्पल बताते हैं किअगर कंधों में पिछले कुछ समय से कंधों में लगातार दर्द हो रहा हों तो इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्योंकि अगर आप इसे इग्नोर करते हैं तो यह गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है. ऐसे में अगर आपको यह समस्या बनी रहती है तो आपको सतर्क होना चाहिए. आइए डॉक्टर से जानते हैं कि कंधों में दर्द होने के कौन-कौन से कारण और लक्षण हो सकते हैं.

दर्द लगातार बना रहना, हाथ उठाने में परेशानी होना, गर्दन या पीठ तक दर्द फैल जाना, सोते समय दर्द ज्यादा होना, हाथों में झुनझुनी या सुन्नपन होना, अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से मिलकर जांच करवाना जरूरी है.अगर ये समस्याएं आपकी बन रही हैं तो ये कुछ मेडिकल टेस्ट करवा लेनी चाहिए.

एक्स-रे

कंधे की हड्डियों में कोई फ्रैक्चर या डिस्लोकेशन है या नहीं, इसे जानने के लिए एक्स-रे सबसे पहला टेस्ट होता है. इससे जोड़ो की स्थिति का भी पता चलता है.

एमआरआई

अगर मांसपेशियों या लिगामेंट्स में कोई चोट या खिंचाव है, तो एमआरआई से उसकी सही जानकारी मिलती है. रोटेटर कफ की चोट की पुष्टि के लिए यह बहुत जरूरी है.

हिन्दू साम्राज्य दिवसः भारत के स्वराज्य की हुंकार

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने ह्यस्वराज्यह्न के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़ कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोक गमन के बाद भी ह्यहिन्दवी स्वराज्यह्न का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। ह्यहिन्दू साम्राज्य दिवसह्न या ह्यश्रीशिव राज्याभिषेक दिवसह्न भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- ह्यहिन्दवी स्वराज्य।

विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहां मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहां के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है।

हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि ह्लमुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती।ह्व औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था। मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को ह्यस्वह्न के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था। महाराज ने राज्य के प्रत्येक तत्व यानी जल, जंगल, जमीन और जन के लिए नीतियां बनायीं। भारत की संस्कृति का संरक्षण किया। हिन्दू धर्म और उसके पवित्र स्थलों को प्राथमिकता दी। आज भी हम हिन्दू साम्राज्य को याद करते हैं, उसका कारण है कि वह सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक है। प्रसिद्ध इतिहासकार जदुनाथ सरकार लिखते हैं कि ह्लशिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे जिन्हें हम आज भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उनका उद्देश्य था अपने प्रजा को शांति देना, सभी जातियों और धर्मों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना, एक कल्याणकारी, सक्रिय और निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करना, व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौसेना का विकास करना और मातृभूमि की रक्षा के लिए एक प्रशिक्षित सेना तैयार करना।

छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों पर चलकर हम आज भी एक श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकते हैं। यह देखना सुखद है कि देश में ऐसी सरकार है, जो छत्रपति की स्वराज्य की अवधारणा में विश्वास करती है, उनको अपना आदर्श मानती है और उनके बनाए मार्ग पर चलने का प्रयास करती है।

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

हिन्दुस्थान समाचार / वीरेन्द्र सिंह

क्या सस्ती लोकप्रियता भुनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने व्यवस्थाओं को दांव पर

अशोक भाटिया , मुंबई

अजीब बात है कि कुंभ मेले में मामूली भगदड़ मच गई, जिसे करोड़ों लोगों ने इकट्ठा किया गया था , ये कांग्रेसी आकाश पाताल को एकजुट कर रहे थे । आज उनके द्वारा आयोजित चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुछ हजार की भीड़ को वह नियंत्रित नहीं कर सके और चेंगरुन (बेंगलुरु) की भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन हैं? आरसीबी के मालिक, कर्नाटक सरकार या खुद क्रिकेट फैंस।

बताया जाता है कि तीन जून की रात फाइनल जीतने के बाद चार जून को जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में भव्य समारोह रखा गया। जब बाहर लोग अपनी जान गंवा रहे थे, तब आरसीबी मैनेजमेंट स्टेडियम के अंदर जीत का जश्न मना रहा था। जब रजत पाटीदार और विराट कोहली चिन्नास्वामी स्टेडियम में आए फैंस के सामने भाषण दे रहे थे, तब बाहर लोग जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे। भगदड़ में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बावरिंग अस्पताल में 6 शव लाए गए, जिनमें 13 वर्षीय दिव्यांशी, 26 वर्षीय दिया, 21 वर्षीय श्रवण समेत तीन युवतियां और तीन युवक शामिल हैं। इनमें दो की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। वायदेही अस्पताल में 4 शव पहुंचे- 20 वर्षीय भूमिक, 19 वर्षीय साहना, एक 20 वर्षीय युवक और एक 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई। मणिपाल अस्पताल में 19 वर्षीय चिन्मयी की मौत हुई है। हादसे में घायल 18 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं।

आरसीबी फ्रैंचाइजी से टूनार्मेंट जीतने के कुछ ही घंटे के भीतर इतने बड़े इवेंट की जरूरत पर सवाल पूछे जा रहे हैं। आईपीएल के इतिहास में ये पहला मौका था, जब किसी फ्रैंचाइजी ने जीत के बाद इतनी बड़ी विक्ट्री परेड की प्लानिंग की। भारत को 1983 में वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम के मेंबर रहे पूर्व तेज गेंदबाज मदन लाल की माने तो इस कार्यक्रम को दो-तीन दिन बाद पूरी तैयारी के साथ भी किया जा सकता था। मदन लाल ने पूछा है कि जब मंगलवार की पूरी रात अहमदाबाद में पार्टी की गई तो बेंगलुरु में जश्न मनाने की क्या जल्दी थी?

आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट

में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर प्लेयर्स के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थे। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए।

बेंगलुरु को ह्यपढ़े-लिखेह्न लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था।

जश्न के दौरान मची भगदड़ के बाद भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय या बुनियादी व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार पर हमला करते हुए पार्टी ने कहा कि वे सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय रील बनाने में बिजी थे। भाजपा के अमित मालवीय ने बेंगलुरू भगदड़ को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है और खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन का हवाला दिया है। उन्होंने इस घटना भाजपा ने दावा किया है कि आईपीएल में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम परिसर के पास भगदड़ में सात से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इलाके में एक नाले के ऊपर एक स्लैब रखा हुआ था। जब भीड़ जमा हुई और उस पर खड़ी हुई, तो स्लैब गिर गया, जिससे अफरातफरी मच गई और जानलेवा भगदड़ मच गई।को प्रशासनिक लापरवाही के कारण होने वाली टाली जा सकने वाली त्रासदी बताया। जिन 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई, वे महज क्रिकेट प्रेमी थे, विराट कोहली के दीवाने, फउइ के फैन थे। उन्हें नहीं पता था कि उनकी ये दीवानगी उन्हें अपनी जान की कीमत पर चुकानी पड़ेगी। 13 साल की दिव्यांशी से लेकर 26 साल की दीया और 21 साल का श्रवण, सभी उन लाखों लोगों में शामिल थे जो सिर्फ एक झलक अपने सितारों की पाने को आए थे। अपने स्टार के आंसुओं के लिए जो लाखों लोग पागल थे, उनके दर्द से उन स्टार खिलाड़ियों को कोई खास फर्क नहीं पड़ा। तालियां बजती रहीं। फ्लाइंग किस लुटाए जाते रहे। ऐसा कैसे हो सकता है कि इन स्टार खिलाड़ियों को जानकारी नहीं थी। और जानकारी नहीं थी तो दी क्यों नहीं गई? भगदड़ के बाद भी जश्न क्यों मनता रहा? और विजयी भाषण चलता रहा, पीठ थपथपाई जाती रही।

युद्धों से यारी के निहितार्थ ?

- अरुण कुमार त्रिपाठी

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

चार दिन चले 'आपरेशन सिंदूर' का वैसे तो युद्धविराम हो चुका है, लेकिन उसका 'शांतिपर्व' नहीं आया है। जिस तरह से दोनों ओर से युद्ध जीतने के दावे किए जा रहे हैं उससे तो नहीं लगता कि यह जल्दी आने वाला है, पर सवाल है कि पत्रकार, राजनेता, अधिकारी और पूरे समाज पर युद्धोन्माद का आख्यान आखिर इस तरह हावी क्यों है? जबकि पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे कह चुके हैं कि युद्ध बालीवुड की फिल्म नहीं है, उसे आखिरी विकल्प के तौर पर ही रखना चाहिए। युद्ध का मौजूदा आख्यान पड़ौसी देश के विरुद्ध ही नहीं है, बल्कि उन नागरिकों, दलों और राजनेताओं के प्रति भी है जो सत्तापक्ष और सरकार से सवाल करते हैं।

अगर कोई राजनेता या सैनिक अधिकारी सच बोलने का साहस दिखाता है तो उस पर लोग ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे कि वह देशद्रोही या गद्दार हो या राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाली विवेकहीनता का प्रदर्शन कर रहा हो। हमारे 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में जेट विमानों को क्षति पहुंचने की बात क्या स्वीकारी कि राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ उन पर टूट पड़े। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने एक 'कार्यनीतिक चूक' स्वीकार करके पाकिस्तान की जीत के आख्यान को बढ़त का मौका दे दिया है, जबकि उन्होंने इस पूरे युद्ध पर एक विवेकपूर्ण टिप्पणी करते हुए यह भी कहा था कि दोनों ओर के सैनिक अधिकारियों में इतना विवेक था कि उन्होंने इस टकराव को नाभिकीय युद्ध तक नहीं जाने दिया।

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

जो स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में बनी है वह कमोवेश पूरी दुनिया में निर्मित हो रही है।

जिला अध्यक्ष कृष्ण मेहता ने हिमांशु पीडम्बा को जनरल सेकेट्री व राहुल मोंगा को किया उप प्रधान नियुक्त

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। आज एक मीटिंग जिला अध्यक्ष लॉ अवेयरनेस सोसाइटी एडवोकेट कृष्ण मेहता की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें सोसाइटी के संस्थापक सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट भुवनेश व्यास से चर्चा करके व उनकी सहमति से जिला फतेहाबाद में दो बड़ी नियुक्तियां की गई जिसमें पीछे कुछ सालों में प्रैक्टिस कर रहे एडवोकेट राहुल मोंगा को उप प्रधान पद पर व हिमांशु पीडम्बा को जनरल सेकेट्री नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष एडवोकेट कृष्ण मेहता ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा व बधाई दी, कृष्ण मेहता ने बताया कि ये लॉ अवेयरनेस सोसाइटी लगातार देश के हर एक राज्य में,हर एक जिले में,शहर में काम कर रही है जिसके मुझे उद्देश्य आम जनता को कानूनी जानकारी देना है प्रशासन के सहयोग करना है ताकि आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए प्रयास किया जा सके वही अब हर एक जिले में,शहर में कैंपों का आयोजन किया जाएगा ताकि हर एक स्कूल,कॉलेज में कानूनी जानकारी प्रदान किया जा सके।

रतिया पुलिस ने घर के बाहर से साइकिल चुराने वाले युवक को किया गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन द्वारा अपराधियों की धरपकड़ को लेकर दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने घर के बाहर से साइकिल चुराने के आरोपी को कुछ ही घंटों में धर दबोचा है। पकड़े गए युवक की पहचान गोविन्दा पुत्र पुन्नू राम निवासी नंदगढ़ जिला बठिण्डा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से चुराई गई रेंजर साइकिल को भी बरामद कर लिया है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 8 जून को न्यू टाऊन रतिया निवासी रमेश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार रात को उसने अपनी रेंजर साइकिल को अपने घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह जब वह घर से बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका साइकिल गायब था। इस पर जब उसने आसपास तलाश की लेकिन जब साइकिल बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में रतिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाए और उसे टोहाना रोड बाईपास से साइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया है।

फतेहाबाद पुलिस की अभिनव जनसंपर्क पहल: मीडिया प्रतिनिधियों और वरिष्ठ समाजसेवियों को जन्मदिवस पर भेजे जाएंगे शुभकामना संदेश

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में जिला पुलिस प्रशासन जनसंपर्क को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और अनूठी पहल की शुरूआत कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत, अब जिले के प्रमुख मीडिया प्रतिनिधियों और वरिष्ठ समाजसेवियों को उनके जन्मदिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय की ओर से व्यक्तिगत शुभकामना संदेश भेजे जाएंगे।

पुलिस और समाज के बीच सकारात्मक संबंधों को प्रगाढ़ करने की पहल

यह प्रयास केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि पुलिस और समाज के बीच सकारात्मक संबंधों को प्रगाढ़ करने की दिशा में एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण कदम है। समाज के सक्रिय और जागरूक नागरिकों, विशेष रूप से मीडिया कर्मियों और समाजसेवियों की भूमिका शासन व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में उनके योगदान को सम्मान देना और उनके विशेष अवसरों पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करना, पुलिस विभाग की मानवीय और सहभागिता-प्रधान सोच को दशार्ता है।

पहले से चली आ रही परंपरा का विस्तार

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक श्री जैन द्वारा पहले से ही विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके जन्मदिवस पर व्यक्तिगत शुभकामनाएं दी जाती रही हैं। इस परंपरा को अब विस्तार देते हुए समाज के बाहरी सहयोगियों को भी शामिल किया जा रहा है, जिससे पुलिस और समाज के बीच भावनात्मक जुड़ाव को और अधिक गहराई मिल सके।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य

इस पहल का मुख्य उद्देश्य है कि समाज के विभिन्न वर्गों के साथ सहयोग, विश्वास और संवाद की मजबूत नींव तैयार की जाए। फतेहाबाद पुलिस का यह विश्वास है कि बेहतर जनसंपर्क और सौहार्दपूर्ण संबंधों के माध्यम से न केवल कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है, बल्कि सुरक्षा और जनजागरूकता जैसे अभियानों को भी जनसहभागिता के साथ अधिक सफल बनाया जा सकता है।

भविष्य की संभावनाएं

यह प्रयास समाज और पुलिस के बीच भरोसे की दीवार को और मजबूत करेगा और एक सकारात्मक और सहभागी तंत्र के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। फतेहाबाद पुलिस इस सोच के साथ निरंतर प्रयासरत है कि कानून का राज तभी सशक्त होता है जब समाज का हर नागरिक उसकी प्रक्रिया में सहभागी हो।

अपने साथ दूसरे के जीवन के महत्व को समझें और यातायात नियमों का पालन करें: निर्मल सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 10 जून। यातायात जागरूक पखवाड़े के अंतर्गत डीएसपी पिहोवा निर्मल सिंह ने शहर में पहुंचे वहां पर उन्होंने इस्माईलाबाद की नई मार्केट का दौरा भी किया। इस मौके पर उन्होंने दुकानदारों से उनकी समस्याएं सुनी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी दुकान अपनी दुकानों में व बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाए ताकि बढ़ रहे क्राइम पर लगाम लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे होने से अपराधी को पकडने.में जहां एक तरफ आसानी होती है वहीं अपराधी के खिलाफ पुख्ता सबूत भी मिल जाता है। उन्होंने सभी दुकानदारों से आह्वान किया कि दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाना बेहद जरुरी है। इसके बाद उन्होंने बस स्टैंड का दौरा भी किया और कहा कि वाहन चालक अपने वाहन को अच्छी तरह से लॉक लगाए। अच्छी तरह से लॉक न लगाने व वाहन लॉक न होने से वाहन चोरी हो रहे है। इसके अलावा उन्होंने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के बारे भी जागरूक किया। उन्होंने कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। फोन का इस्तेमाल करने से ध्यान बंट जाता है और दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है। अपने साथ साथ दूसरे के जीवन के महत्व को भी समझे और यातायात नियमों का पालन करें।

प्रकाश पर्व पर ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से सजाया जाएगा महान नगर कीर्तन आज

प्रकाश पर्व समागम के दौरान श्री अखंड पाठ साहिब जी की तीसरी श्रृंखला हुई प्रारंभ

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के पवित्र चरण छोह प्राप्त ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से प्रकाश पर्व पर महान नगर कीर्तन बुधवार को सजाया जाएगा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की छत्रछाया एवं पंज प्यारों की अगुवाई में यह नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब से आरंभ होकर रेलवे रोड, कुटिया वाली गली, लाल सड़क, थानेसर बस स्टैंड, सीकरी चौंक, बिड़ला मंदिर से होते हुए देर सायं गुरुद्वारा साहिब में संपन्न होगा। समागम के पांचवे दिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के श्री अखंड पाठ साहिब जी की दूसरी श्रृंखला संपन्न होने के तत्पश्चात तीसरी व अंतिम श्रृंखला आरंभ हुई। इस दौरान भारी गिनती में संगत ने शीश नवा कर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। आज समागम के दौरान हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के कार्यकारिणी समिति मैंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी, मैंबर इंदरजीत सिंह, बीबी करतार कौर, हरमनप्रीत सिंह बुट्टर, पूर्व कनिष्ठ उपप्रधान बीबी रविंदर कौर अजराना, पूर्व प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, डीएसपी गुरमेल सिंह, नरेंद्र सिंह गिल, धर्म प्रचार सचिव सरबजीत सिंह जम्मू, एडिशनल सैकेटरी एवं कार्यालय पीए सतपाल सिंह डाचर, एडिशनल सैकेटरी राजपाल सिंह दुनिया माजरा, अस्सिटैंट सैकेटरी एवं प्रकाश पर्व समागम प्रबंधक अमरिंदर सिंह धंतौड़ी, रूपिंदर

सिंह, गुरुद्वारा निरीक्षण शाखा प्रभारी जज सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह, धर्म प्रचार प्रभारी गुरपेज सिंह व अमीर सिंह ने विशेष रूप से शीश नवाया। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के कथावाचक भाई गुरदास सिंह ने गुरु चरणों में अरदास की। इसके अलावा भीष्म गर्मी को देखते हुए संगत द्वारा ठंडे पानी एवं जलजीरे की छबील भी लगाई गई, जबकि लंगर में संगत के सहयोग से अलग-अलग पकवान बनाए गए। दूसरी ओर मॉडर्न पैथ लैब द्वारा भी समागम में आने वाली संगत के लिए निशुल्क टैस्ट एवं दवाईंयां वितरित करने के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में प्रतिदिन सैंकड़ों मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करके उन्हें दवाईंयां भी वितरित की जा रही हैं।

प्रतिदिन सुंदर दस्तार सजाओ प्रतियोगिता के विजेताओं को किया जा रहा पुरस्कृत

इसी दौरान बच्चों व युवाओं को दस्तार सजाने के गुर भी सिखाए जा रहे हैं। यह सेवा दस्तार कोच सिमरनजीत सिंह अपनी टीम के साथ मिल कर रहे हैं। वे बच्चों एवं युवाओं को दस्तार के महत्व एवं इतिहास की जानकारी दे रहे हैं और उन्हें दस्तार सजाने के गुर सिखाने के साथ-साथ दस्तार सजाने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समागम के पहले दिन से दस्तार मुकाबले करवाए जा रहे हैं। विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पहले स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 1100 रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाले 700 तथा तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 500 रुपये बतौर पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

यूटयूबर ज्योति मल्होत्रा जासूसी प्रकरण : यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका दायर

ज्योति के वकील ने कहा, अदालत ने पुलिस से मांगा जवाब, सलाखों से बाहर लाएंगे ज्योति को

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 जून। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार की गई यू-ट्यूबर ज्योति को सलाखों से बाहर लाने के लिए अदालत में जमानत याचिका दायर की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पुलिस से जवाब मांगा है। इसके लिए कल 11 जून का समय निर्धारित किया गया है। पुलिस के जवाब दिए जाने के बाद अदालत ज्योति की याचिका पर अगली सुनवाई करेगी।

गौरतलब है कि सोमवार को ज्योति मल्होत्रा को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये अदालत में पेश किया गया था। अदालत ने एक बार फिर ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब 23 जून को ज्योति की फिर पेशी होगी। आरोपी ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने आज जमानत याचिका दायर कर दी है। ज्योति के वकील ने बताया कि प्रशासन अपनी सहुलियत के हिसाब से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी कर

सकता है। इससे पहले 26 मई को पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था। ज्योति पर पाक एजेंटों पर संवेदनशील जानकारियां देने के आरोप है। पुलिस की शुरूआती जांच में यह सामने आया था कि उसने पाक एजेंटों से बातचीत की थी।

ज्योति पर लगाई गई धाराएं गलत : वकील

ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि पुलिस ने ज्योति के बैंक अकाउंट भी खंगाले हैं। मगर पुलिस इस बारे में कुछ भी बताने से मना कर रही है। वहीं ज्योति के वकील कुमार मुकेश का कहना है कि ज्योति पर जो धाराएं लगाई हैं वो गलत है। पुलिस की जांच से ऐसा नहीं लगता कि ज्योति पर जो आरोप है वह सही है। कुमार मुकेश ने कहा कि हालांकि पुलिस की चार्जशीट से पता चलेगा कि पुलिस ने किस आधार पर ज्योति पर कार्रवाई की है। कुमार मुकेश ने बताया कि वह ज्योति के बेल पेपर तैयार कर रहे हैं और इसी सप्ताह वह कोर्ट में बेल के लिए अप्लाई करेंगे।

लाइब्रेरी में किताबें पढ़ती हैं ज्योति

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ज्योति से कई बार जाकर जेल मिल चुके हैं। ज्योति अपने ताऊ के बारे में ही उनसे पूछती रहती है। ज्योति के पिता ने बताया था कि उसकी बेटी बेकसूर है और वह अपनी लड़ाई खुद लड?ा जानती है।

वह जेल में है मगर वह बिल्कुल नहीं घबरा रही। वहीं जेल प्रशासन का कहना है कि ज्योति अपनी दिनचर्या पूरी करती है और वह जेल में बनी लाइब्रेरी में किताबें पढ़ती है। वह पूरा खाना खाती है और पूरी नींद ले रही है।

ज्योति हिसार की रहने वाली, बीए तक पढ़ाई की

ज्योति की उम्र 33 साल है। उसका घर हिसार के न्यू अग्रसेन कॉलोनी में है। क्क की पढ़ाई की है। अविवाहित है और ज्यादातर दिल्ली में रहती है। 6 मई को वह हिसार से दिल्ली गई थी। ज्योति का पासपोर्ट 22 अक्टूबर 2018 को बना था। यह 21 अक्टूबर 2028 तक वैध है। ज्योति अक्टूबर से पहले एक महीने के लिए पाकिस्तान जाने का प्लान भी बना रही थी। ज्योति और उनके पिता के खिलाफ पुलिस में कोई पुराना मामला दर्ज नहीं है। ज्योति पिछले 2-3 सालों से वह ट्रैवल विद जो नाम से यूट्यूब चैनल चलाती है, जिसमें देश-विदेश की यात्राओं के वीडियो बनाती है। पहले वह एक निजी कंपनी में काम करती थी, लेकिन कोविड के दौरान उसकी नौकरी चली गई। इसके बाद वह ब्लॉगर बन गई।

रतिया पुलिस ने मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को शामिल तफ्तीश किया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 10 जून। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के अंतर्गत रतिया पुलिस ने लड़ाई-झगड़े के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय से जमानत पर रिहा किया है। आरोपी की पहचान तेजबीर सिंह पुत्र हरविंद्र जीत निवासी अजीत नगर के रूप में हुई है।

थाना सदर रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक राजबीर ने बताया कि दिनांक 09 जून को संदीप कुमार पुत्र लभू राम निवासी अजीत नगर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता संदीप कुमार के अनुसार, वह खेती-बाड़ी करता है। गत दिवस लगभग शाम 8 बजे, हरदेव सिंह पुत्र हजारा सिंह और हरविंद्र सिंह पुत्र हजारी लाल निवासी अजीत नगर मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसके खेत में पहुंचे और उसकी मोटर के पास आकर गाली-गलौच व झगड़ा करने लगे। इसके बाद वे खेत से निकल गए। शिकायत में आगे बताया गया कि जब वह चाय लाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल लेकर घर की ओर जा रहा था, तो रास्ते में तेजबीर सिंह ने उसकी मोटरसाइकिल रुकवाकर उसकी चाबी निकाल ली। उसी दौरान मौके पर मौजूद सुधीर पुत्र हरविंद्र सिंह ने उसकी दाहिनी कलाई पर चाकू से वार किया और वहां से फरार हो गया। इसके तुरंत बाद तेजबीर ने भी उसके दाहिने हाथ पर लोहे की कापा (धारदार औजार) से वार किया। पीड़ित संदीप किसी तरह जान बचाकर खेत की ओर भागा, लेकिन पीछे से तेजबीर, हरविंद्र और हैप्पी पुत्र मंगत (निवासी साहरना) भी खेत में आकर मारपीट करते रहे। पीड़ित ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया, जिस पर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। उसी समय पीड़ित के पिता घटनास्थल पर पहुंचे और उसे नागरिक अस्पताल रतिया में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। रतिया पुलिस द्वारा मामले में कार्रवाई करते हुए तेजबीर सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसे बाद में जमानत पर रिहा किया गया। आगे की कार्यवाही जारी है।

जिला में 6 स्थानों पर बाढ़ से बचाव का कार्य जारी, 17-18 करोड़ रुपये होंगे खर्च : विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
घरौंडा, 10 जून। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि यमुना के पानी से बाढ़ बचाव के लिए जिला में छह स्थानों पर काम जारी है जो 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। इस कार्य पर करीब 17-18 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने यह जानकारी मंगलवार को गांव ढाकवाला और गांव सदरपुर में यमुना बांध पर चल रहे कार्यों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ढाकवाला में 6 नए स्टड और स्टोन रिवेटमेंट का कार्य जारी है। इस पर तीन करोड़ खर्च होंगे जबकि सदरपुर में 6 पुराने स्टड्स की मरम्मत की जाएगी और इस कार्य पर एक करोड़ 28 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके साथ-साथ अधिकारियों को बाढ़ से पहले अलर्ट रहकर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हर वर्ष यमुना सहित अन्य स्थानों पर बाढ़ से बचाव कार्यों की निगरानी की जाती है। जहां-जहां जरूरत होती है वहां सरकार बाढ़ से बचाव की परियोजनाओं को मंजूर करती है और इन्हें बारिश सीजन के पहले पूरा किया जाता है। पहाड़ों पर अधिक बारिश के कारण पिछले सालों में इस जिला के यमुना बेल्ट के गांवों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। इंद्री की तरफ एक जगह यमुना का बांध टूट भी गया था जिससे बहुत भारी नुकसान हुआ था। तीन ऐसे स्थान थे जहां यमुना टूटने के कगार पर थी। अतीत के अनुभव को ध्यान में रखते हुए पिछले साल भी यमुना के सभी कमजोर किनारों को मजबूत किया गया। जरूरत अनुसार स्टड बनाये गये और पत्थर का पुश्ता (स्टोन रिवेटमेंट) लगाया गया।

हिसार एयरपोर्ट में एंट्री के लिए वीआईपी भी टिकट लेगा

डीजीसीए ने कहा, इससे पूरा रिकॉर्ड मेंटेन होगा, कौन आया और कौन गया

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 जून। हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या और दिल्ली के बाद अब चंडीगढ़ के लिए भी फ्लाइट शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कल इस फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई और टिकट खरीदकर खुद भी चंडीगढ़ तक यात्रा की।

डीजीसीए के ऑपरेशनल डायरेक्टर प्रशांत फूलमरे ने बताया कि कल एयरपोर्ट परिसर में प्रेस ब्रीफिंग के लिए टेंट लगाने की अनुमति दी गई थी, हालांकि ब्रीफिंग एयरपोर्ट के गेट पर ही हुई। उन्होंने आगे कहा कि अब एयरपोर्ट के अंदर कोई भी वीआईपी बिना टिकट के सीधे प्रवेश नहीं कर पाएगा।

इससे आने-जाने वाले हर व्यक्ति का रिकॉर्ड रखा जा सकेगा। पहले कोई भी आसानी से अंदर आ जाता था। डीजीसीए के ऑपरेशनल डॉयरेक्टर ने आगे कहा कि हिसार से चंडीगढ़ फ्लाइट एलायंस एयर कंपनी ने चलाई है और इसके लिए

उन्होंने दिल्ली से प्रयागराज फ्लाइट बंद की है, उसी फ्लाइट को हिसार शिफ्ट किया गया है। टर्मिनल की नई बिल्डिंग के बेस का काम चल रहा है। इसे 3 चरणों में पूरा किया जाएगा। अभी दूसरा चरण चल रहा है।

यात्री ने चंडीगढ़ फ्लाइट का समय बदलने की मांग की

सोमवार को हिसार से चंडीगढ़ की यात्रा करने वाले यात्री संदीप सावंत ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपनी फ्लाइट का टिकट प्राप्त किया। इस दौरान संदीप सावंत ने मुख्यमंत्री से फ्लाइट का समय बदलने का अनुरोध किया। उन्होंने सुझाव दिया कि फ्लाइट को हिसार से सुबह के समय संचालित किया जाए और शाम को वापसी की उड़ान भरी जाए। मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनकर कहा कि इस पर विचार किया जाएगा।

14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उदघाटन

दरअसल, हिसार से 5 स्थानों के लिए उड़ान की योजना बनाई गई थी। इसके बाद इसमें दिल्ली जोडकर इसे 6 स्थानों के लिए कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार से अयोध्य और हिसार से दिल्ली फ्लाइट संचालन को हरी झंडी दिखा चुके हैं। चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट 9 जून को शुरू हो चुकी है। अभी अहमदाबाद, जयपुर और जम्मू के लिए फ्लाइट शुरू की जानी है।

प्रभा वेलफेयर सोसायटी ने मोक्ष वृद्धाश्रम में लगाया निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

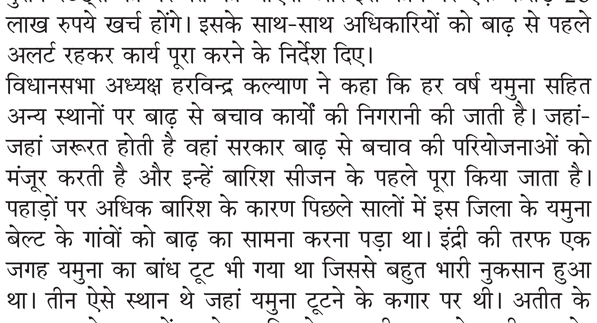

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 जून। सेवार्थ भाव से बुजुर्गों की संभाल के प्रति समर्पित मोक्ष वृद्धाश्रम में प्रभा वेलफेयर सोसायटी द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर बुजुर्गों की जांच की गई। आधार अस्पताल के तत्वावधान में आयोजित किए गए इस शिविर में बुजुर्गों का बीपी, शुगर व सामान्य जांच करके उचित परामर्श दिया गया।

इसके साथ ही प्रभा वेलफेयर सोसायटी द्वारा दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान प्रभा वेलफेयर सोसायटी से जुड़े प्रभा जैन, योगेश कपिल, सतीश शर्मा, डॉ. राहुल, प्रीति, किरण, हिमांशु, रोहित व डॉ. रोहिल सहित काफी सदस्य मौजूद रहे। चिकित्सकों ने बुजुर्गों को योग व सरल व्यायाम भी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। इसके साथ ही खान-पान संबंधी उचित सुझाव भी दिए। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि यहां पर बुजुर्गों की समुचित देखभाल की जाती है। नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाई जाती है और आवश्यकता पड? पर अस्पताल में भर्ती करवाकर बुजुर्गों का समुचित इलाज भी निशुल्क करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम व मंदबुद्धि महिला आश्रम के संचालन में समाज के विभिन्न वर्गों का विशेष योगदान रहता है। बहुत से परिवार जन्मदिन, सालगिरह या त्योहार यहां आश्रम में पहुंचकर बुजुर्गों के साथ मिलकर मनाते हैं।

युवाओं को नशे जैसी कुरीतियों से बचने के लिए खेलों पर रखना चाहिए फोक्स : नरेश कुमार

एसएचओ सिटी इंस्पेक्टर ने हॉकी मैच का किया उद्घाटन। प्रदर्शनी मैच में स्टेट इलेवन ने जीती प्रतियोगिता

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। शहर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने कहा कि युवाओं को नशे जैसे कुरीतियों से बचने के लिए खेलों पर विशेष फोक्स रखना चाहिए। इस जिले में जब प्रत्येक युवा खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ जुड़ेगा, तो निश्चित ही समाज का एक आदर्श नागरिक बनेगा। जब युवा अच्छा नागरिक बनेगा तो निश्चित ही देश व प्रदेश तरक्की की राह पर आगे बढ़ेगा। शहर थाना अध्यक्ष नरेश कुमार नशा मुक्त कुरुक्षेत्र बनाने के अभियान के तहत खेल विभाग, साई व पुलिस विभाग के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे

थे। इससे पहले एसएचओ सिटी नरेश कुमार, साई के सेवानिवृत चीफ कोच गुरविन्द्र सिंह, हॉकी कोच सोहन लाल, साई के हॉकी कोच साहिल, सब इंस्पेक्टर राजकुमार ने साई इलेवन और स्टेट इलेवन के प्रदर्शनी मैच का विधिवत रूप से शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से परिचय करने के उपरांत एक समूह चित्र भी करवाया। इस प्रदर्शनी मैच में स्टेट इलेवन की टीम विजेता रही। हॉकी के चीफ कोच गुरविन्द्र सिंह ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन की पहल से कुरुक्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से जो प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया गया है वह एक सराहनीय कदम है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से जहां खिलाड़ियों को खेल का मंच मिलता है वहीं नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहने की प्रेरणा भी मिलती है। खेल विभाग कुरुक्षेत्र के हॉकी कोच सोहन लाल ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन के सहयोग से हॉकी का यह प्रदर्शनी मैच खेला गया और इसमें स्टेट इलेवन की टीम विजेता रही। इस प्रतियोगिता में पुलिस विभाग की तरफ से रिफरशमेंट भी उपलब्ध करवाई गई।

बोर्ड चेयरमैन से मिला फेडरेशन आफ प्राइवेट स्कूल कुरुक्षेत्र का शिष्टमंडल

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 जून। फेडरेशन आफ प्राइवेट स्कूल शाखा कुरुक्षेत्र की ओर से हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर पवन शर्मा से एक शिष्टाचार भेंट की गई। भेंट में शिष्टमंडल के अध्यक्ष थानेसर ब्लॉक प्रधान विनोद भारद्वाज ने बोर्ड चेयरमैन पवन शर्मा को विद्यालयों को बोर्ड से संबंधित विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया। इस पर बोर्ड चेयरमैन डॉक्टर पवन शर्मा ने समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए आश्वस्त किया और समस्याओं को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के डायरेक्टर्स की आगामी बोर्ड मीटिंग में रखने का आश्वासन दिया। विनोद भारद्वाज ने बताया कि इस भेंट से शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की नई उम्मीदें जगी हैं। मीटिंग में ब्लॉक प्रधान विनोद भारद्वाज के साथ सरजंत सैनी, आशुतोष गौड़, अनिल कुलश्रेष्ठ, यशपाल वधवा एवं अनिल मदान आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र के हर गांव के लिए योग गुरु तैयार करेगा पतंजलि योगपीठ : राकेश

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 10 जून। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के केन्द्रीय प्रभारी राकेश ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र को योग गुरुओं की पावन धरा के रूप में पहचान दिलाई जाएगी। इसके लिए कुरुक्षेत्र के हर गांव से योग गुरुओं को तैयार किया जाएगा। इन योग गुरुओं को तैयार करने का जिम्मा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार ने लिया है। इस पीठ द्वारा हरिद्वार पतंजलि योगपीठ में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। पतंजलि योगपीठ के केन्द्रीय प्रभारी राकेश ने बातचीत करते हुए कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर योग गुरु स्वामी रामदेव के आदेशानुसार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में योग के क्षेत्र में कार्य करने का मौका मिला। इस धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 21 जून 2025 को योग के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। इस नए अध्याय के तहत कुरुक्षेत्र में एक साथ एक लाख लोग योग करेंगे। इस जिले में योग की धारा निरंतर बहती रहे। इसके प्रयास प्रशासन के सहयोग से पतंजलि योगपीठ द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ की तरफ से कुरुक्षेत्र के 400 गांवों से 3-3 लोगों का चयन किया जाएगा। इन लोगों को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार की तरफ से 5 दिन का प्रशिक्षण हरिद्वार में दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा और प्रशिक्षण शिविर के दौरान तमाम सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। जब हर गांव में 3 योग गुरु तैयार होंगे तो निश्चित ही कुरुक्षेत्र योग गुरुओं के रूप में एक नई पहचान बनाएगा। यह योग गुरु आने वाली भावी पीढ़ी को योग के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे। इससे भावी पीढ़ी स्वस्थ रहेगी और स्वस्थ रहकर देश व प्रदेश के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने किया महिला थाना का औचक निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/एकजोत

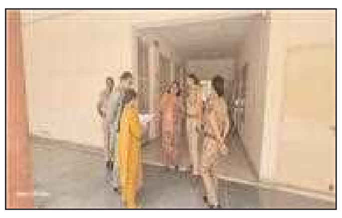

कुरुक्षेत्र, 10 जून। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों मीना व मांगे राम द्वारा कुरुक्षेत्र महिला थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला थाना में लगभग पिछले 6 माह का पोक्सो एक्ट मुकदमों का ब्यौरा लिया गया व महिला थाना में चाइल्ड फ्रेंडली रूम न होने पर तुरंत प्रभाव से चाइल्ड फ्रेंडली रूम बनवाने बारे निर्देश दिए। उन्होंने महिला थाना में जिला बाल विवाह एवं निषेध अधिकारी के कार्यालय में बाल विवाह केसों के बारे में विस्तार से जानकारी ली तथा निरीक्षण के दौरान महिला थाना व जिला बाल विवाह एवं निषेध अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर इन्दु शर्मा, जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलबीर कौर, एस.एच.ओ. महिला थाना सविता राणा, जिला बाल विवाह एवं निषेध अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

गर्भवती पत्नी को मार पीटकर घर से निकाला

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। गांव भंभूर की एक गर्भवती महिला को अपने ही ससुराल में क्रूर व्यवहार का सामना करना पड़ा।
पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित महिला सुखदीप कौर ने बताया कि बीती 10 जुलाई को उसकी शादी पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब से तहसील लंबी के गांव मिड्डुखेड़ा निवासी सुखवीर सिंह के साथ हुई थी। मगर सुखवीर सिंह और उसके ससुराल वाले दहेज न देने पर खुश नहीं थे। शादी में बाइक व पैसे कम देने पर वह बार-बार ताना मारने लगे। इन बातों को लेकर ससुराल वाले झगड़ा भी करने लगे और पति सुखवीर सिंह मारपीट करने लगा। सुखदीप कौर बोली कि बीती 2 अप्रेल को शाम को उसका भाई संदीप व उसके चाचा का लडका हरविंद्र सिंह उसके ससुराल में उससे मिलने आ गए। उस दौरान बाइक की बात को लेकर उसके भाईयों के साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया और उनके साथ हाथापाई भी की। वह सभी तैश में आ गए। उसके पति ने उसे बाल पकडकर घसीटा और उसे थप्पड़ व लात-घुसे मारने शुरू कर दिए। सुखदीप ने बताया कि वह करीब दो माह की गर्भवती है। उसके पेट पर भी लात-घुसे मारे। जब उसके भाई उसे छुड़वाने लगे तो भाई पर सुखवीर ने कस्सी से वार कर दिया। उस दौरान संदीप की बाजू पर कस्सी जा लगी। बाद में उसे भी गर्भावस्था में उसे धक्के देकर घर से निकाल दिया। उसने जो गहने पहने हुए थे, वो भी निकलवा लिए। सुखवीर ने उसे जान से मार देने की धमकी दी और कहा कि अगर नए बाइक की मांग पूरी नहीं की तो हम तुझे नहीं बसाएंगे और दोबारा घर आई तो जान से मार देंगे। पीड़िता ने मांग की है कि आरोपी सुखवीर व बाकी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। महिला पक्ष का यह भी आरोप है कि महिला थाना पुलिस को शिकायत दी थी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनको राजीनाम के लिए पुलिस लाइन के सामने एक सेंटर में बुलाया था, उसमें दोनों पक्ष के लोग मौजूद थे। मगर आरोपी सुखवीर ने महिला के साथ घर बसाने से मना कर दिया। हालांकि, पुलिस ने उसे समझाया, पर वह नहीं माना। अपनी जिद पर अड़ा रहा।

महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। गांव फिरोजाबाद से अपने मायके जाने के लिए निकली महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।
पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी बीती 1 जून की सुबह अपने मायके गांव बुधनपुर पंचकूला जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह न तो मायके पहुंची और न ही वापस घर पहुंची। उसने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन पत्नी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

सप्लाई वाली वॉल पर कवर न होने के कारण आ रहा है गंदा पानी: पार्षद बिल्लू बादशाह

15 जून से घंटा घर पानी की टंकी पर बैठकर करेंगे आमरण अनशन

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। स्थानीय दिनोद गेट स्थित सप्लाई का पानी छोड? वाली वॉल पर कवर न लगाने से वहां गंदा पानी करने के कारण क्षेत्रवासियों के घरों में हो रही गंदे पानी की स्पलाई को लेकर लगातार 8वीं बार पार्षद बने गोविन्द राम शर्मा उर्फ बिल्लू बादशाह ने विरोध जताते हुए कहा कि इसके बारे में पहले भी संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायत पत्र सौंपा जा चुका है लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हो रहा। उन्होंनें जिला प्रशासन व संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि सप्लाई की वाल को कवर लगाया जाए ताकि इसमें गंदा पानी न घुस सके। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो गर्मी अपना भीष्ण रूप लेती जा रही है वहीं दुसरी तरफ घरों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है जिसके कारण

यहां के लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं। गंदे पानी के कारण यहां अनेक प्रकार की बिमारियां पैदा होने का खतरा बना हुआ है। इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि पानी की समस्या को लेकर समाधान शिविर में उपायुक्त महावीर कौशिक को पत्र सौंपा जा चुका है। बिल्लू बादशाह ने कहा कि अगर शीघ्र से शीघ्र उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे 15 जून से घंटा घर स्थित पानी की टंकी पर बैठकर आमरण अनशन पर बैठने को मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी जनस्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन की होगी। पार्षद बिल्लू बादशाह ने बताया कि शहर के मुख्य चिडिया घर जलघर से सुबह शहर में पेयजल आपूर्ति शुरू की जाती है लेकिन कई मुख्य गलियों में पानी नहीं पहुंच पाता। जिसका मुख्य कारण जलघर में लोहड बाजार में सुबह 4 से लेकर 5: 30 बजे और हालू बाजार में सुबह 5:30 से लेकर 7 बजे तक सप्लाई चलाई जाती है। जब तक पूरे प्लांट की 6 मोटरें चलती हैं तब तक आखिरी छोर तक पानी पहुंच जाता है लेकिन काफी समय से 3 ही मोटरें चलाई जा रही है। जिसमें से एक मोटर 150 हार्स पावर की है जो पूरा प्रेशर नहीं बना पाती। इस मोटर को पिछले 3 माह से चलाया नहीं जा रहा। 3 मोटरें विभाग द्वारा पिछले 6 माह से चलाई नहीं जा रही। उन्होंने बताया कि शहर के बड़ चौक पर जो बुस्टर बनाया गया था वह लोहड़ व हालू बाजार क्षेत्र की सप्लाई में प्रेशर बढ़ाने के लिए बनाया गया था। परंतु हालू बाजार की सप्लाई के समय उस बुस्टर में पानी खत्म हो जाता है। कई बार उस बुस्टर को दोनों क्षेत्र में सप्लाई के समय चलाया नहीं जा रहा। इसलिए तीन मोटरे चल रही है। उससे पेयजल आपूर्ति अन्तिम छोर तक नहीं पहुंच पा रही। उन्होंने बताया कि उपरोक्त समसया कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के संज्ञान लाई जा चुकी है लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा।

भिवानी पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बिरेंद्र सिंह, कार्यकताओं को एकजुट रहने का किया आह्वान

भाजपा ने देश में अराजकता का माहौल बनाकर लोगों को धर्म व जाति के नाम पर बांटा : चौ. बिरेंद्र सिंह

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। पूर्व केंद्रीय चौ. बिरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आज देश में अराजकता का माहौल पैदा कर दिया है। भाजपा ने लोगों को जात-पात व धर्म के नाम पर बांटकर देश की एकता व अखंड़ता को तोड? का काम किया है। इसी बीच सिर्फ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ही ऐसे नेता है, जो निर्भीक होकर देश को तोड? वाली ताकतों का सामना कर रहे है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बिरेंद्र सिंह स्थानीय रोहतक गेट स्थित पूर्व विधायक डा. शिव शंकर भारद्वाज के आवास पर जिला के कांग्रेस कार्यकताओं की मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकताओं को एकजुट रहते हुए पार्टी व राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं को एकजुट रहने का संदेश देते हुए आज देश

हित में सभी देशवासियों को एकजुट रहने की जरूरत है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अपना हित साधने के लिए लोगों को धर्म व जाति के नाम पर बांटने में कोई कसर नहीं छोड़ रही।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बिरेंद्र सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एक मंच पर आकर राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने का काम करें, ताकि देश विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देकर देश में शांति, अमन व भाईचारे को कायम रखा जा सकें। जिससे देश को नई ताकत मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य लोगों को छोटे-छोटे मुद्दों के लिए आपस में लाडवाकर अपना मकसद पूरा करना है, जिस मंशा को हमें पूरा नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहली बार कांग्रेस कार्यालय हरियाणा में आए है, इसका असर प्रदेश में ही नहीं आसपास के प्रदेशों में भी पड़ेगा और एक नई कांग्रेस हरियाणा में खड़ी होगी। जिसमें ना कोई धड़ा होगा ना ही कोई खेमे बंदी होगी। सिर्फ अब होगी तो राहुल गांधी की कांग्रेस होगी जिसका बड़े से बड़े नेता को व छोटे से छोटे कार्यकर्ता को पूरा मान सम्मान मिलेगा तथा हर वर्ग को अपने हिस्सेदारी मिलेगी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डा. शिव शंकर भारद्वाज, अशोक सिवाच, राज सिंह गागडवास, अधिवक्ता ब्रह्मानंद, दीपेश सारसर, रघुवीर रंगा, भरपूर धनखड़, वीरेंद्र किरोड़ी, कमल प्रधान, अजीत सिंह धनाना, डा. अजीत गुलिया, मनजीत, नरेश तंवर, राजेंद्र धानक, राजू मेहरा, सुखबीर कमांडो, सुंदर सिंह, दुष्यंत, गब्बू, शमशेर बलीयाली, कृपाल सिंह, सुरेंद्र सांगवान, प्रताप सांगवान सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

संत कबीरदास ने समाज में व्याप्त रूढि?ों तथा अंधविश्वासों पर किया करारा व्यंग्य : भवानी प्रताप

संत कबीरदास महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे : विरेंद्र कौशिक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। संत शिरोमणि कबीरदास जयंती के उपलक्ष्य में शिव धानक धर्मशाला बावड़ी गेट द्वारा प्रभात फेरी एवं भंडारे का आयोजन मंगलवार को किया गया। यह जानकारी देते हुए प्रधान अनिल डाबला, उपप्रधान अनिल पेंटर, भगवानदास कालिया, सुरेंद्र इंदौरा, अशोक तुरकिया ने बताया कि सुबह 7 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी को भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की, जो कि बावड़ी गेट से शुरू होकर तेलीवाड़ा, डोभी तालाब, लोहड़ चौपटा, नया बाजार, सराय चौपटा, हालु बाजार, पतराम गेट, हालुवास गेट, हनुमान गेट, दादरी

गेट से होती हुई धर्मशाला में ही संपन्न हुई। इसके उपरांत सवा 11 बजे भंडारे का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। इस मौके पर भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप व भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि संत कबीरदास महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे। उन्होने समाज में व्याप्त रूढि?ें तथा अंधविश्वासों पर करारा व्यंग्य किया। उन्होने धर्म का संबंध सत्य से जोडकर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपरा का खंडन किया। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ जनजागरण पैदा करने का अथक प्रयास किया। सत्य एवं अहिंसा का संदेश देने वाले संत कबीरदास के दोहे सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनकल्याण की अलख जगाते है। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास महाराज की शिक्षाओं से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के लिए ऐसे कार्यक्रम सराहनीय है, जिनका समय-समय पर आयोजन जरूरी है। इस अवसर पर अशोक बामणिया, सतीश तुरकिया, प्यारेलाल कायत, रमेश पचेरवाल, पुष्कर लडवाल, आचार्य बिजेंद्र सोलंकी, पूर्ण सिंह फौजी, प्रधान पप्पू नागर, निर्मला देवी, कृष्णा देवी, संतोष, फूलपति, कविता, सूरता, नीलम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार चुनावी अखंडता पर अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए स्टॉकहोम सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, जो 10-12 जून, 2025 तक आयोजित किए जा रहे चुनावी अखंडता पर अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए स्टॉकहोम सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्वीडन का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने स्वीडन में भारतीय प्रवासियों के साथ यादगार बातचीत की।
भारत निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता ने ये जानकारी देते हुए बताया कि सीईसी ने गैर-निवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारत के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक जुड़ाव पर चुनाव आयोग का फोकस है। ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और डाक मतपत्र प्रबंधन प्रणाली (ईटीपीबीएमएस) के इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य विदेशों की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाना है।
उन्होंने बताया कि चुनाव प्रबंधन में भारत का नेतृत्व करते हुए ज्ञानेश कुमार सम्मेलन उद्घाटन में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किए गए हैं। सम्मेलन में लगभग 50 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसका आयोजन स्वीडिश विदेश मंत्रालय, स्वीडिश चुनाव प्राधिकरण और ऑस्ट्रेलियाई चुनाव आयोग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव सहायता संस्थान (इंटरनेशनल आईडीईए) द्वारा किया जा रहा है।
सीईसी अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के महासचिव केविन कैसास-जमोरा सहित अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपनी बैठकें करेंगे। इसके बाद यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया और स्विट्जरलैंड सहित लगभग 20 देशों के मुख्य चुनाव आयुक्तों के साथ विस्तृत एक-एक द्विपक्षीय बैठकें होंगी। स्टॉकहोम सम्मेलन में ईएमबी के प्रमुख, नीति निमार्ता और संस्थागत नेता चुनावी अखंडता के लिए समकालीन चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आते हैं। मुख्य फोकस क्षेत्रों में गलत सूचना, डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम और चुनावों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका शामिल है।
उन्होंने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसमें आईआईआईडीईएम के महानिदेशक राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (विधि) विजय कुमार पांडे और प्रमुख सचिव राहुल शर्मा सहित चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान 11 से- हिसार जिला अध्यक्ष के चुनाव पर रहेगा विशेष फोकस

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 10 जून। जिले में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करने के लिए एक महत्वाकांक्षी संगठन सृजन अभियान का आरंभ किया जा रहा है। यह अभियान 11 से 16 जून तक चलेगा, जिसमें जिले के सभी प्रमुख हलकों में विस्तृत और गहन बैठकें आयोजित की जाएंगी।
यह जानकारी देते हुए पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य संगठन का पुनर्गठन, नए सदस्यों को जोड?ा, सक्रिय कार्यकताओं की पहचान करना और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है। इस अभियान के तहत, सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक हिसार जिला अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति और विचार-विमर्श के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को अंतिम रूप देना होगा। इस बैठक में आब्जर्वर नियुक्त किए गए पूर्व विधायक जगदीश जांगिड़ के अलावा अमित सिहाग जयपाल सिंह लाली और पंकज चौहान उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि संगठन को मजबूत करने और प्रत्येक हल्के तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार गहन बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक बैठक में स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं, पदाधिकारियों और आम जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। इन सभी बैठकों में हिसार जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पर भी गहन चर्चा की जाएगी, ताकि सर्वसम्मति से सबसे उपयुक्त उम्मीदवार का चयन किया जा सके।

पुलिस ने गांव मंगाली में आयोजित करवाई कब्बडी प्रतियोगिता

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 जून। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के निर्देशानुसार पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा उन्हें खेलो से जोड? के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से लगातार युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है।
इसी अभियान के तहत हिसार पुलिस ने गांव मंगाली में गांव डाया, बादशाहपुर तलवंडी, मंगाली आकलन, हरिता और बाडया ब्राह्मण के खिलाडि?ों के बीच कब्बड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। जिसमे सभी टीमों के खिलाडि?ों ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल मैच गांव डाया और बादशाहपुर तलवंडी के बीच हुआ, जिसमें 2 प्वाइंट से गांव डाया की टीम विजयी हुई। चौकी प्रभारी एएसआई राकेश कुमार ने बच्चो से कहा कि आज का युवा खेलों में रुचि लेकर नशे से बच सकता है। हम सबका यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि युवाओं को खेलों की तरफ अग्रसर करे। आपसी सहयोग व एकजुटता से ही युवा वर्ग को नशे की प्रवृति से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है। उन्होंने बताया कि मैच के बाद खिलाडि?ों को रिफ्रेसमेंट करवाया गया और उन्हे कहा कि अगर आपको किसी नशा तस्कर की जानकारी है तो आप निडर भाव से हेल्प लाइन नंबर 112 और हिसार पुलिस कंट्रोल रूम 01662- 237150 पर सूचना दे सकते है। पुलिस का उद्देश्य युवाओं को खेलो की ओर अग्रसर करना है ताकि वे नशा सहित अन्य बुराइयों से दूर रहे।

मक्के के अच्छे दाम व अच्छी निकासी निकलने से किसानों को रहा मुनाफा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 10 जून। अनाज मंडी में मक्के की आवक जोरों पर है। इस वर्ष मक्के की निकासी के साथ दाम भी अच्छे मिलने से किसानों की बल्ले बल्ले हो रही है। जिससे किसान काफी खुश दिखाई दे रहे है। किसान ईश्वर सिंह, राजेश, विष्णु, प्रदीप आदि ने बताया कि उन्होंने फसल चक्र अपनाते हुए इस वर्ष मक्के की फसल की उपज की थी। इस वर्ष समय मक्के की फसल के अनुकूल चलने से मक्के की अच्छी पैदावार निकल रही। अच्छी पैदावार के साथ मंडी में मक्के के दाम भी 2100 रुपये प्रति क्विंटल तक मिल रहे है। वहीं मक्के की निकासी 35 से 40 क्विंटल तक निकल रही है। जिससे मक्के की उपज करने वाले किसानों को काफी फायदा मिल रहा है। किसानों ने कहा कि फसल चक्र अपनाने से जहां एक तरफ भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है वहीं किसान को भी काफी मुनाफा होता है।

जल संरक्षण दिवस पर करनाल नगर निगम का स्वच्छता अभियान, नागरिकों को किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 10 जून। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत नगर निगम करनाल द्वारा जल संरक्षण दिवस पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नेशनल हाईवे-44 स्थित कर्ण लेक और पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यू.जे.सी.) के घाटों पर सफाई की गई। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने जानकारी दी कि निगम की सेनीटेशन टीम, स्वच्छ भारत मिशन टीम और सफाई मित्रों ने दो टीमों में बंटकर उक्त स्थानों की सफाई की, ताकि जलाशय और नहरें स्वच्छ बनी रहें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल स्रोत न केवल पर्यावरण के लिए आवश्यक हैं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य से भी सीधे जुड़े हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि निगम जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए दहा, बलड़ी और उचाना गांवों में स्थित तालाबों का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण भी करवा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल को एकत्र करने और सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण का अर्थ सिर्फ पानी बचाना नहीं, बल्कि उसका कुशलतापूर्वक उपयोग करना भी है।

अभिभावक बाल भवन में आयोजित समर कैंप में अधिक से अधिक बच्चों को भेंजे: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद अध्यक्ष महावीर कौशिक ने अभिभावकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को बाल भवन में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविरों की रूचिकर कक्षों में जरूरी भेंजे। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है ताकि बच्चे अपनी प्रतिभा को दिखा सके और कुछ सीखें।
उपायुक्त श्री कौशिक ने बताया की समर कैंप ग्रीष्मकालीन अवकाश की छुट्टियां 30 जून तक चलेंगी। बच्चे बड़े उत्साह से इन रुचिकर कक्षाओं में हिस्सा लें। उन्होंने बताया कि समर कैंप में डांस, ताइक्वांडो, मेहंदी, सिलाई, ब्यूटीशियन, योगा, ड्राइंग, पेंटिंग, म्यूजिक और इंग्लिश स्पीकिंग की कक्षाएं जिला वासियों के बच्चों के लिए निःशुल्क चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया की बच्चों के मानसिक शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए जिला बाल कल्याण परिषद हर वर्ष गर्मी की छुट्टियों में रुचिकर कक्षाओं का आयोजन करती है। समर कैंप सुबह 9:00 बजे से 11.00 तक विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सब कुछ भूलकर केवल संगठन को बनाएं मजबूत: कुमारी सैलजा

एआईसीसी पर्यवेक्षक एम. क्रिस्टोफर भी बैठक में हुए शरीक

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बिना किसी पद और बिना किसी पहचान के कांग्रेस के कर्मठ कार्यकताओं ने जमीन से जुडकर काम किया और सिरसा जिला की पांच में से तीन विधानसभा सीटें कांग्रेस के पास है। आज सब कुछ भूलकर केवल और केवल संगठन के लिए काम करना है, संगठित होकर बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूती प्रदान करनी है और सभी को पूरा मान सम्मान देना है।
वे मंगलवार को कांग्रेस भवन में आयोजित जिला कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक को संबोधित कर रही थी। यह बैठक संगठन के गठन को लेकर आयोजित की गई थी जिसमें जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों ने अपने आवेदन दिए साथ ही संगठन की मजबूती को लेकर विचार व्यक्त किए। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और पर्यवेक्षक एम क्रिस्टोफर तिलक, पीसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक एवं पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी, कृष्ण सातरोड और राजवीर वर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके अलावा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर, पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी, ऐलनाबाद विधायक भरत सिंह बेनीवाल, पूर्व विधायक अमित सिहाग, डॉ. केवी सिंह, राजकुमार शर्मा, मोहित शर्मा, नवीन केडिया, वीरभान मेहता, संदीप नेहरा एडवोकेट, आनंद बियाणी, राजेश चाडीवाल, डॉ. सुभाष जोधपुरिया, मनप्रीत सिंह, उर्मिल भारद्वाज, संतोष बेनीवाल, सर्वमित्र कंबोज, रणधीर सिंह, कृष्णा फोगाट, अमीर चावला, इंद्र जैन, गजानंद सोनी, मलकीत सिंह खोसा आदि मौजूद थे।
सांसद सैलजा ने कहा कि संगठन न होने से पार्टी में अनुशासन नहीं रहा था अब संगठन बनेगा तो अनुशासन भी बढ़ेगा और सभी की एकजुटता से पार्टी को मजबूती भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे ही पार्टी के नेता हैं, बाकी सब पार्टी के सच्चे और कर्मठ सिपाही है और सभी सिपाही बनकर पार्टी को मजबूत बनाने में काम करें। उन्होंने कहा कि पार्टी वही मजबूत होती है जो बूथ स्तर पर मजबूत हो लेकिन संगठन न होने पर कांग्रेस बूथ स्तर पर पहुंच ही नहीं पाई थी। संगठन न होने पर पहले कार्यकताओं की पहचान तक नहीं थी, अब संगठन खड़ा होगा तो कार्यकताओं को एक पहचान भी मिलेगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि निचले स्तर के कार्यकताओं को वो सम्मान नहीं मिल पा रहा था जिसके वे हकदार थे। जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारों ने आवेदन किए हैं और इस कड़ी में पर्यवेक्षक एम क्रिस्टोफर तिलक सभी से अलग अलग बात करेंगे।

केवल संगठन को लेकर ही होगी बातः
सांसद ने पर्यवेक्षक एम क्रिस्टोफर तिलक को बताया कि सिरसा जिला में भाजपा का कोई आधार नहीं है, इस जिला में पांच विधानसभा सीट हैं जिनमें से तीन कांग्रेस के पास हैं और दो इनेलो के पास। पहले से ही मुकाबला कांग्रेस और इनेलो के बीच होता आया है। पीसीसी की ओर से पर्यवेक्षक नियुक्त पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने कहा कि आज की बैठक में सिर्फ संगठन को लेकर ही बात होगी और इस कड़ी में हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर कार्यकताओं की बैठक लेकर उनके विचार लिए जाएंगे। बाद में एक बैठक सिरसा में फिर से होगी और इसके बाद एआईसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान को सौंपेंगे।

संत कबीर जयंती समारोह को लेकर प्रशासन ने झोंकी ताकत, एसपी डॉ. मयंक गुप्ता पहुंचे रैली स्थल

तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, अलर्ट रहने के दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। संत कबीर जयंती के उपलक्ष्य में कल 11 जून को स्थानीय अनाजमंडी सिरसा में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।
इसी कड़ी में मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता अपने दलबल के साथ रैली स्थल पहुंचे और की जा रही तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भारतीय वायुसेना स्थल सिरसा से लेकर अनाजमंडी सिरसा तक सभी रूटों का निरीक्षण करते हुए अन्य वैकल्पिक रूटों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल की बैरिकेडिंग, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, सफाई, मोबाइल टॉयलेट्स, वीवीआईपी, मीडिया गैलरी, चेकिंग पॉइंट, हेलीपैड और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को जांचा। पुलिस अधिकारियों ने फायर ब्रिगेड, डॉक्टरों की टीम और एंबुलेंस की तैनाती के स्थानों का भी अवलोकन किया और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही व कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जएगी। इस दौरान एसपी सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा और सुविधा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि तैयारियों का उद्देश्य मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करना और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देना है। प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

आमजन से करें मैत्रीपूर्ण सहयोगः
उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा है कि आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहयोग लिया जाए तथा असामाजिक व संदिग्ध किस्म के लोगों पर पैनी नजर रखी जाए तथा कानून तोड? वालो से सख्ती से निपटा जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हरियाणा के कार्यक्रमों को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। सुरक्षा की दृष्टि से किसी प्रकार की चूक बर्दाशत नहीं की जाएगी।
पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए है कि चप्पे-चप्पे की जांच करें और असामाजिक व संदिग्ध किस्म के लोगों पर पूरी तरह निगरानी बनाए रखें। पुलिस प्रशासन की तरफ से आमजन से भी आग्रह किया गया है कि आमजन मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन व स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें प्रशासन द्वारा निर्धारित की गई पार्किंग में ही अपने वाहनों को पार्किंग करने में सहयोग करें।

पेयजल बर्बाद करने वाले 9 कनेक्शन विभाग की टीम ने किए बंद

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 10 जून। चिलचिलाती गर्मी में बढ़ती पेयजल की मांग ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान की महत्ता को और अधिक बढ़ा दिया है। माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री के निदेर्शानुसार यह अभियान गत माह से प्रदेशभर में जारी है।
गांवों और शहरों में अनेक उपभोक्ता ऐसे हैं, जो पेयजल का उपयोग पीने के अलावा बगीचों की सिंचाई, यहां तक कि खेतों की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से बूस्टिंग स्टेशन तक पानी पहुंचाने के लिए जो मैन लाइन बनाई गई है, उसमें कई उपभोक्ताओं ने मनमाने ढंग से सुराख कर अवैध रूप से कनेक्शन ले रखे हैं। इसके कारण गांवों की सप्लाई के लिए बने बूस्टरों में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पाता।
विशेष रूप से निजामपुर और नांगल चौधरी क्षेत्र के राजस्थान सीमा से सटे गांवों के बूस्टरों में बहुत कम दबाव से पानी पहुंचता है। इसका मुख्य कारण मैन लाइन में लिए गए अवैध कनेक्शन हैं। इन्हीं कनेक्शनों को बंद करने के लिए विभाग द्वारा बीते एक माह से लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अंतिम छोर पर बसे गांवों तक सुचारु रूप से पेयजल पहुंच सके।
जानकारी देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने बताया कि जिले के प्रत्येक खंड में टीमों का गठन किया जा चुका है। पेयजल को लेकर सबसे अधिक समस्या निजामपुर, नारनौल और नांगल चौधरी के अंतिम छोर पर बसे गांवों में है। इन समस्याओं की जड़ है—वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और बूस्टर की मैन लाइन के समीप बसी फैक्ट्रियां, होटल, पार्क व रेस्टोरेंट, जिन्होंने बिना विभागीय अनुमति के मैन लाइन में अवैध रूप से कनेक्शन ले रखे हैं।
कई उपभोक्ता तो इन कनेक्शनों से खेती की सिंचाई करते पाए गए हैं। बता दें कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग केवल पीने के पानी की आपूर्ति करता है, न कि कृषि कार्यों के लिए। खेती की सिंचाई के लिए राज्य सरकार द्वारा अलग विभाग गठित किया गया है।
जिला सलाहकार ने कहा कि बढ़ती गर्मी और पेयजल की मांग को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक उपभोक्ता को अपने पेयजल कनेक्शन पर टोंटी अवश्य लगानी चाहिए। ओवरहेड टैंक पर वाटर अलार्म लगवाना चाहिए और जल का अत्यधिक उपयोग न करते हुए आवश्यकता अनुसार ही प्रयोग करना चाहिए। जल पुनः उपयोग, संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है।
मैन लाइन में लगे अवैध कनेक्शन काटने हेतु कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार दहिया ने जेसीबी बुलवाकर धनौता रोड पर अभियान चलाया, जिसमें सड़क खुदवाकर मैन लाइन से 5 अवैध कनेक्शन हटाए गए। उन्होंने बताया कि चोरी-छिपे मैन लाइन से कनेक्शन लेने वालों के कारण जहां गांवों को पेयजल संकट झेलना पड़ रहा है, वहीं विभाग को इन्हें हटवाने के लिए अतिरिक्त मेहनत और व्यय करना पड़ रहा है।
इसी क्रम में जेई एनपी रंगा की अगुवाई में जाटगुवाना गांव में 4 अवैध कनेक्शन हटाए गए, जो जल की बबार्दी का कारण बन रहे थे।
इसके अलावा सैदपुर, बसई, पड़तल और ढाणी कुम्हारान गांवों में भी जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत पेयजल कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया।
आज कुल 136 पेयजल कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया। जिले में अब तक विभागीय टीमों द्वारा कुल 176 अवैध कनेक्शन काटे जा चुके हैं। इस अवसर पर बीआरसी अशोक कुमार, धर्मेंद्र, विक्रम सिंह, पूजा रानी, मोहित कुमार तथा फिटर स्टाफ की टीम उपस्थित रही।

गौशालाओं में सहयोग करना बहुत पुण्य का कार्य है: डीसी

डीसी महावीर कौशिक ने गांव बापोड़ा की पंचवीर गौशाला में किया गौ गृह और हाई मास्ट लाइटों का उद्घाटन

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। डीसी महावीर कौशिक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। गाय में देवताओं का वास है। हमें गौ माता की सेवा करनी चाहिए। गाय की सेवा करना पुण्य का कार्य है।
डीसी श्री कौशिक गांव बापोड़ा स्थित पंचवीर गौशाला में गांव के स्वर्गीय पंडित सरदारामल कौशिक के परिजनों द्वारा गौशाला में बनाए गए दो गौ गृह और दो हाईमास्ट लाइटों के उद्घाटन अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गाय का दूध अमृत के समान है और गाय के गोबर और गौमूत्र से अनेक तरह की खाद और दवाई बनती हैं, जो हमारे लिए बहुत उपयोगी होती हैं।
उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि हमें गाय को बेसहारा नहीं छोड़ना चाहिए। प्रदेश सरकार गौ संवर्धन और गौ संरक्षण के लिए अनेक कारगर कदम उठा रही है। गायों के खान-पान और रखरखाव के लिए गौशाला में सहायता राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि गौशाला का संचालन एक तरह से सामाजिक कार्य है और इसमें साधन संपन्न लोगों को सहयोग जरुर करना चाहिए। गौशाला में सहयोग करना एक तरह से बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। इस दौरान स्व पंडित सरदारामल कौशिक के परिजनों ने बताया कि दो गौ गृह के निर्माण पर करीब 40 लाख तथा दो हाई मास्ट लाइटों पर करीब 15 लाख रुपए रुपए की लागत आई है।

ट्रांसफर जेबीटी से शुरू नहीं किए तो होगा कड़ा विरोध: अध्यापक संघ

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला सिरसा की बैठक हुई जिसमें राज्य प्रधान वीर सिंह, महासचिव देवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष धर्मवीर सिंह, वरिष्ठ उपप्रधान सुनीता मकानी, उपप्रधान बूटा सिंह, सहसचिव राजवीर, प्रेस सचिव विनोद कासनिया ने भाग लिया।
बैठक में सरकार द्वारा लागू की जा रही नवीन ट्रांसफर पॉलिसी पर गंभीर चिंता और तीखी आलोचना व्यक्त की गई। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि जो पॉलिसी बनी है उसे संगठनों के बीच स्पष्ट किया जाना चाहिए। जो संगठनों को बुलाकर सुझाव लिए गए थे उनको कितना लागू किया गया, यह जानकारी भी सांझी होनी चाहिए। प्रवक्ता विनोद कासनिया के मुताबिक संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह पालिसी ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रक्रियाओं में शिक्षकों को उलझाकर रख रही है, जबकि शिक्षकों के स्थानांतरण का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए। सरकार की वर्तमान नीति न तो बच्चों को सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध करवाने की गारंटी देती है और न ही शिक्षकों को उनके आवास के निकट सुविधाजनक स्थान पर नियुक्त करने का प्रावधान करती है। बैठक में कहा गया कि 10 वर्षों पूर्व केप्ट पद रखने का निर्णय यह कहकर लिया गया था कि शिक्षक संख्या कम है लेकिन सरकारी आंकड़ों के अनुसार आज भी 15 हजार से अधिक पद रिक्त हैं, जो न केवल शिक्षा के अधिकार का हनन है, बल्कि बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा भी है। शिक्षकों को सजा देने की नीति के तहत केप्ट पद प्रणाली को अब भी बरकरार रखा गया है, जो निंदनीय है। संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि प्राथमिक अध्यापकों की उपेक्षा पिछले 9 वर्षों से हो रही है। जहां अन्य श्रेणियों की कई बार ट्रांसफर की गई हैं, वहीं जेबीटी शिक्षकों की ट्रांसफर को हर बार टाल दिया जाता है, इसलिए मांग की गई कि इस बार ट्रांसफर प्रक्रिया की शुरूआत जेबीटी शिक्षकों से हो। अंतरजिला तबादले में सीएंडवी अध्यापकों को भी शामिल किया जाए। माडल एवं पीएमश्री स्कूलों में एक ही ब्लॉक में रहने की छूट व अन्य स्कूलों में 15 वर्ष के ठहराव की शर्त का भी बच्चों, शिक्षा, स्कूलों व शिक्षकों से कोई सरोकार नहीं हैं, इसलिए 15 साल की शर्त हटाई जाएं।

महिला के कानों से छीनी सोने की बालियां

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। गांव बणी के बस स्टेंड से पैदल ढाणी साधा वाली जा रही एक महिला के कानों से बाइक सवार बदमाश सोने की बालियां छीनकर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में ढाणी साधा वाली निवासी महिला रेशमा देवी ने बताया कि बीती 9 जून की शाम करीब 4.30 बजे वह बस स्टेंड बणी से पैदल ढाणी साधा वाली जा रही थी। इसी दौरान अनाज मंडी के निकट बाइक सवार तीन युवक मुंह ढांपे हुए आए और झपट्टा मारते हुए उसके कानों से दोनों सोने की बालियां छीनकर ले गए। हालांकि उसने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते, युवक भागने में कामयाब हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर कर्मचारियों ने बनाई रणनीति

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 10 जून। ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन की बैठक यूनिट प्रधान सब अर्बन गुलबाग सिंह व यूनिट प्रधान सिटी सिरसा मीत चंद की अध्यक्षता में आगामी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर हुई। सभी सब यूनिटों में हड़ताल की तैयारी को लेकर टीमें गठित की गई है। प्रत्येक सब यूनिट में मीटिंग की जाएगी। मंच का संचालन सचिव लखबीर सिंह ने किया।
सुखदेव सिंह राज्य प्रेस सचिव व बाबूलाल राज्य उप प्रधान ने संयुक्त रूप से बताया कि कर्मचारियों की मुख्य मांगें कच्चे कर्मचारियों को बिना शर्त पक्का किया जाए, पुरानी पेंशन बहाल की जाए, निजीकरण पर रोक लगाई जाए, स्थाई भर्ती की जाए, लाखों बेरोजगार खाली घूम रहे हैं, उनको रोजगार दिया जाए, जनता को अच्छी सुविधा मिले, महंगाई पर रोक लगाई जाए, दिनों दिन कर्मचारी व मजदूर विरोधी कानून केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे हैं, जोकि कर्मचारियों व मजदूरों के संगठन बनाने के अधिकारों पर हमला है, सरकार द्वारा एचकेआरएन में लगे कर्मचारियों में 5 साल से अधिक समय से लगे कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा की बात की जा रही है, जबकि बाकि कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार लटक रही है, सेवा सुरक्षा सभी के लिए लागू की जाए, एचकेआरएन के तहत कर्मचारियों की छंटनी की गई है, उन्हें वापस लिया जाए, इन तमाम मांगों को लेकर ऐतिहासिक हड़ताल होगी। इस मौके पर सुरजीत सिंह बेदी, अविनाश चंद्र कंबोज, कनीराम, विजय सिंह, अजय पासी, ज्वाला सिंह, सतबीर कुंडू, जगतार सिंह, विजय मजोका, हरि कृष्णा, सुनील महेला, मनमोहन सिंह, सुनील कुमार आदि कर्मचारी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर अधिकारियों, कर्मचारियों व बच्चों को करवाया योगाभ्यास

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। डीसी महावीर कौशिक के निदेर्शानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर स्थानीय भीम खेल परिसर में योगाचार्य द्वारा अधिकारियों, कर्मचारियों, योग सहायक व बच्चों को योगाभ्यास करवाया गया। इस दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया।
जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा की उपस्थिति में योगाचार्यो ने ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन, मक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतूबंध आसन, उत्तानपाद आसन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन, कपाल भाति व अनुलोम-विलोम का अभ्यास करवाया। योगाचार्य ने योगासन व प्राणायायम के साथ-साथ योगा से होने वाले स्वास्थ्य लाभ की भी विस्तार से जानकारी दी।
योग प्रशिक्षण शिविर में डा. रश्मि शर्मा ने कहा कि योग शारीरिक शक्ति, सहन शक्ति और ऊर्जा निर्माण में मदद करता है। बच्चों, महिला व वृद्धजनों के लिए योग शरीर, दिमाग और भावनाओं के लिए एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग द्वार चलाए जा रहे योग प्रशिसक्षण शिविरों की श्रृंखला में योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करवाया जा रहा है। आयुष विभाग ने योग दिवस पर अधिक से अधिक भागदारी का आह्वान करते हुए बताया कि योग से तन व मन स्वस्थ रहता है और इसके करने से अनेक बीमारियों को भी ठीक किया जा सकता है।
इस दौरान जिला खेल अधिकारी सतेन्द्र, अनेक कोच, अधिकारी-कर्मचारी व खेल विभाग के खिलाड़ी मौजूद रहें।

पात्र व्यक्तियों को मिलना चाहिए मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना का लाभ: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। डीसी महावीर कौशिक की अध्यक्षता में मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 की संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर पंचायत विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है, इसके लिए करने होंगे निरंतर प्रयास : त्रिवेणी बाबा

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 10 जून। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पेड़-पौधों की संख्या लगातार कम हो रही है। जो कि मानव जीवन के साथ-साथ पशु व पक्षियों के लिए चिंता का विषय है। नेहरा मंगलवार को आकोदा पुलिस चौकी में पुलिस कर्मचारियों के साथ चलाए त्रिवेणी अभियान के दौरान कही। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी बाबा की प्रेरणा से प्रेरणा से सद्भावाना त्रिवेणी रोपण का अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत प्रदेश भर में विभिन्न स्थानों पर त्रिवेणी रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आपसी भाईचारा एवं प्रेम को बढ़ावा देने का संदेश भी दे रहे है। त्रिवेणी रोपण कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों ने बढ़-चढकर भाग लिया तथा कहा कि इस मुहिम से ना केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनेगा, पुलिस और समाज के बीच सकारात्मक संबंधों को भी बढ़ावा मिलेगा। त्रिवेणी बाबा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे और यह पहल उसी दिशा में सद्भावना त्रिवेणी रोपण का अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कर्मियों ने शपथ ली कि वे पौधों की देखभाल करेंगे और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर उप निरीक्षक ब्रह्म प्रकाश, उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक श्री भगवान, सिपाही जगदीप, स्पेशल पुलिस ऑफिसर सुशील, कुक दीपक सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

खतरा खतरा खतरा शो केवल मनोरंजन के लिए नहीं है, यह हमारी पहचान का जश्न है : हर्ष लिंबाचिया

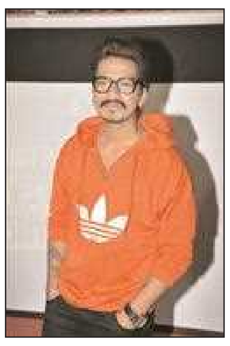

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
चंडीगढ़, 10 जून। खतरा खतरा खतरा पूरे देश में दर्शकों को गुदगुदाते हुए कलर्स रिश्ते पर प्रसारित हो रहा है, जो डीडी फ्री डिश पर उपलब्ध है। इस शो को एक अनोखा जायका दे रहे हैं हर्ष लिंबाचिया, जिनकी बेहतरीन कॉमिक टाईमिंग और बिहाईंड-द-सीन प्रैंक्स ने उन्हें फैंस का चहेता बना दिया है।टीवी स्क्रीन्स पर इस शो की वापसी के बारे में हर्ष लिंबाचिया ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि खतरा खतरा खतरा कलर्स रिश्ते पर प्रसारित हो रहा है। यह डीडी फ्री डिश के माध्यम से बहुत सारे परिवारों तक पहुँच रहा है। यह शो केवल मनोरंजन के लिए नहीं है . बल्कि यह हमारी पहचान का जश्न है! यहाँ हम एक दूसरे की टाँग खींचते हैं और सजा को परफॉर्मेंस में बदलते हैं, इस सेट पर हर एक लम्हा ऊर्जा से भरा हुआ है। इस शो के प्रोड्यूसर के रूप में इसे एक बार फिर प्रसारित होते हुए देखकर बहुत ही खास महसूस हो रहा है। मेरा मानना है कि दर्शकों को यह इसलिए इतना पसंद आया क्योंकि हम बिना किसी फिल्टर के अपने असली रूप में सामने आए और ढेर सारा मनोरंजन किया। अब इसका फिर से प्रसारण तथा एक बार फिर हमारे साथ लोगों का हँसनाए वापसी का सबसे अच्छा एहसास प्रदान कर रहा है।चाहे सेलेब्स को बुलाना हो, अजीबो-गरीब चैलेंज पेश करना हो या हर अफरा.तफरी में संगीत छेड़ना हो, खतरा खतरा खतरा मनोरंजन का बिल्कुल नया फॉर्मेट पेश करता है। डीडी फ्री डिश पर कलर्स रिश्ते इन प्रतिष्ठित शो की वापसी के साथ एक बार फिर प्रदर्शित कर रहा है कि मस्ती, मनोरंजन और पागलपन से भरे भव्य शो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होते।

जिला सैनिक बोर्ड की बैठक डिप्टी कमिश्नर-कम-प्रेसिडेंट, जिला सैनिक बोर्ड (जेडएसबी), चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार
चंडीगढ़, 10 जून। जिला सैनिक बोर्ड (जेडएसबी), चंडीगढ़ की एक बैठक आज श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस, डिप्टी कमिश्नर-कम-प्रेसिडेंट, जिला सैनिक बोर्ड (जेडएसबी), चंडीगढ़ की अध्यक्षता में बुलाई गई।
बैठक में ब्रिगेडियर बीएस ढिल्लों (सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष जेडएसबी; स्टेशन मुख्यालय चंडीगढ़ के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव शर्मा; लेफ्टिनेंट कर्नल आरके सिंह (सेवानिवृत्त); श्री केके शारदा (सामाजिक कार्यकर्ता); और कर्नल एचएस घुमन (सेवानिवृत्त), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने भाग लिया।
बोर्ड ने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

ठंडे मीठे जल की छबील लगाई

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार
चंडीगढ़, 10 जून। नगर निगम के कर्मचारियों के द्वारा आज नगर निगम कार्यालय के सामने ठंडे मीठे जल की छबील लगाई गए। इस मौके पर पूर्व मेयर सरजीत कौर सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी, डिप्टी मेयर तरुणा मेहता, पार्षद प्रेमलता, यादविंदर मेहता ओर नगर निगम कर्मचारियों के प्रधान राजेंद्र सिंह आदि लोगों ने जल की सेवा एवं छोले/हलवे का लंगर लगाया गया।

शरीर की गंध से छुटकारा

शरीर से पसीने की गंध अधिकाशंत दुर्गंध) आना एक आम समस्या है जिसका हल पाने के लिए भारतीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों को तमाम भारतीय व इम्पोर्टेड ब्रैंड के डिओडरेट व एंटीपर्सपीरेट से भर दिया है। विज्ञापनों द्वारा इन उत्पादों की सिर्फ खूबियां दिखाना या बताया जाना तथा इनके कन्टेनर्स पर लिखी हुई अपर्याप्त व अधूरी जानकारी के कारण डिओडरेट व एन्टीपर्सपीरेट के विषय में बहुत सी गलत धारणाएं तथा परेशानियां जन्म ले चुकी है।

पसीना व गंध क्यों

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सी.पार्थसारथी के अनुसार, 'शरीर में पसीने का आना इस बात की निशानी है कि हमारा शरीर अत्यधिक उपजी ऊर्जा से छुटकारा पा रहा है। यह ऊर्जा उपपाचन या मांसपेशियों की मशक्कत द्वारा पैदा हुई होती है।' एक सामान्य वयस्क के शरीर में लगभग बीस लाख स्वेद ग्रंथियां होती हैं जो दो प्रकार की होती है- एक्रीन स्वेद ग्रंथियां व एपोक्रीन स्वेद ग्रंथियां। एक्रीन स्वेद ग्रंथियां शरीर के तापमान को नियंत्रित करती है और त्वचा की नमी भी इन्हीं ग्रंथियों के कारण बनी रहती है। सिर्फ होंठ व जननांगों के हिस्से में ये ग्रंथियां नहीं होतीं। त्वचा की निचली सतह पर होने वाली इन ग्रंथियों के कारण ही पसीना रोमछिद्रों के द्वारा त्वचा पर आता है। एपोक्रीन ग्रंथियां शरीर के हारमोन द्वारा नियंत्रित होती है। भावानात्मक तनाव से ये ग्रंथियां चेतन हो जाती हैं। शरीर में पसीने की दुर्गध को जन्म देने वाली ग्रंथियां एपोक्रीन होती हैं जिनमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते है।

दोनों अलग-अलग

पसीने की इसी गंध या दुर्गध से छुटकारा दिलाने वाले बॉडी स प डियोडरेट व एन्टीपर्सपीरेट लगभग एक ही उत्पाद की तरह माने जाते है जबकि सच यह है कि ये दोनों ही अपने विभिन्न रासायनिक प्रभावों के कारण अलग-अलग उत्पाद है। एन्टीपर्सपीरेन्ट शरीर में पसीना आने की प्रक्रिया तथा त्वचा के गीलेपन को कम करते है, डिओड्रेन्ट का काम शरीर से गंध को दूर करना है। डिओडरेन्ट का जन्म इस तथ्य को जानने के बाद हुआ कि त्वचा के बैक्टीरिया शरीर की गंध पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से इन बैक्टीरिया के नाश किया जा सकता है।

एन्टीपर्सपीरेन्ट के प्रयोग से पसीना बाहर निकालने वाले छिद्र बंद हो जाते है जिससे पसीना कम बाहर आता है। एक धारणा के अनुसार एन्टीपर्सपीरेन्ट में पाए जाने वाले एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट त्वचा में सूजन पैदा कर छिद्रों को बंद होने के लिए मजबूर करते है। कुछ एन्टीपर्सपीरेट डियोड्रेट युक्त भी होते है।

चुनते समय ध्यान रहे

एन्टीपर्सपीरेट व डियोडरेन्ट के शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए हो सके तो इनका प्रयोग न करे जब तक निहायत जरूरी न हो। शरीर के पसीने की गंध को बार-बार नहाने या पसीने वाली जगहों को अच्छी तरह पानी से धोने व पोंछने द्वारा नियंत्रित रखा जा सकता है। यदि आपको इनका इस्तेमाल जरूरी लगता हो तो सोचें कि आपको किस उत्पाद की जरूरत है। यदि शरीर में गंध एक समस्या है तो बैक्टीरिया नाशक डिओडरेंट का प्रयोग करे।

यदि अत्यधिक पसीना आना आपकी समस्या है तो एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट युक्त एन्टीपर्सपीरेन्ट को चुनें। जिन एंटीपर्सपीरेन्ट में एल्यूमिनियम क्लोरोहाइड्रेट होता है वे सुरक्षित व प्रभावी होते है। जिनमें एल्यूमिनियम क्लोराइड तथा जिरकोनियम कम्पाउंड होते है, उनके इस्तेमाल से दूर रहें- यह सलाह है त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पार्थसारथी की।

ऐसे लेबल से प्रभावित न हों जिनमें एक प्रोडक्ट में दो एंटीपर्सपीरेट देने की बात कही गई हो। दो तत्व प्रभाव को नहीं बढ़ाते।

खतरे इनके प्रयोग के

एन्टीपर्सपीरेन्ट व डियोडरेन्ट में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक पदार्थ प्रायः बाद में बैन होते देखे गए है क्योंकि इनका प्रभाव शरीर पर हानिकारक देखा गया है। दरअसल ऐसे पदार्थ जो प्रभावशाली भी हों और सुरक्षित भी, बनते ही नहीं है। इसलिए इन उत्पादों के प्रयोग से निमन्लिखित हानिकारक प्रभाव हो सकते है-

त्वचा पर प्रतिकूल असर- इनमें पाए जाने वाले अमलीय पीएच एस्ट्रीनजेन्ट सॉल्ट त्वचा में जलन या चकत्ते पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से कान्टेक्ट डरमेटाइटिस नामक त्वचा संबंधी रोग भी हो सकता है। इनके लंबे प्रयोग से बगलों में ग्रैन्यूलोमा रोग भी हो सकता है।

आंखों की समस्या- इनके स्प्रे गलती से यदि आंखों में चले जाएं तो आंखों संबंधी रोग जैसे आई फ्लू, जलन आदि हो सकते है। यदि स्प्रे की मात्रा अधिक हो तो विजन भी खत्म हो सकता है।

कैंसर का खतरा -अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार एन्टीपर्सपीरेट में एल्यूमिनियम सॉल्ट का बेस नहीं होता, उनमें जिनकोनियम क्लोरोहाइड्रेट, जिरकोनिल क्लोराइड या जिंक फेनोसलफेट होता है। जिरकोनियम का सांस के साथ अंदर जाना कैंसर को जन्म दे सकता है। एन्टीपर्सपीरेट पसीना बाहर आने की क्रिया को अवरुद्ध कर, शरीर से बगलों, घुटनों के पीछे व कानों के पीछे वाले क्षेत्रों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ को शरीर के अंदर ही रहने देते है। इन जहरीले पदार्थो का अधिक जमाव उस क्षेत्र की कोशिकाओं को नष्ट कर कैंसर को जन्म देता है।

जहरीला ट्रिक्लोसन- डॉ. पार्थपारथी के अनुसार इन दो उत्पादों में एक नया रासायनिक तत्व ट्रिक्लोसन भी हो सकता है जो त्वचा के भीतर जाकर यकृत को नष्ट कर सकता है।

दागयुक्त कपड़े- एंटीपर्सपीरेट में पाया जाना वाला एल्यूमिनियम साल्ट पसीने के साथ मिलकर अधिक अम्लीय हो जाता है। इससे त्वचा में जलन तो पैदा होती ही है। साथ ही कपड़ों के रंग फेड हो जाते है और कपड़े कमजोर होकर जल्दी फटते है। सूती व लिनेन कपड़े एल्मूनियम सॉल्ट से जल्दी प्रभावित होते है।

महत्वपूर्ण टिप

एंटीपर्सपीरेट व डिओडरेन्ट को इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का अवश्य खयाल रखें जिससे उनसे होने वाले नुकसानों से बचा जा सकता है।

1. रात में इनका प्रयोग बिल्कुल न करे।
2. दिन में एक से अधिक बार इनका इस्तेमाल न करे। बहुत खास अवसरों पर ही एक से ज्यादा बार प्रयोग करे।
3. सर्दी में जब पसीना कम आता है, इनका प्रयोग न करे।
4. बच्चों पर इनका प्रयोग बिल्कुल न करे। जब आसपास बच्चे हों तो स्प्रे का प्रयोग न करे।
5. जब भी स्प्रे करे, अपनी आंखें बंद रखें और चेहरा दुसरी और घुमा लें।
6. जहां तक हो सके गर्मी के अनुकूल परिधान पहनें- अधिकांशत- सूती। ज्यादा बार नहाएं, अन्यथा बगलों को गीले कपड़े या टिशू से बार-बार पोंछें।

गर्मियों में भी निखरे रूप

उम्र बढ़ने के साथ स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइया और डार्क स्पॉट साफ नजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफ, चिकनी और गोरी नहीं रह जाती। उम्र के साथ मौसम का बदलाव भी त्वचा पर असर डालता है। गर्मियों में बहुत से लोग सनस्क्रीन क्रीम इस्तेमाल नहीं करते हैं जबकि सच यह है कि गर्म हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं और कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खासतौर पर इनका असर होता है। तो अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉइश्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, बल्कि नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। दो टेबलस्पून ओटमील में दो टेबलस्पून ब्राउन शुगर व एक चौथाई टी-कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें- चंदन पाउडर+नींबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का श्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग

महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोन:01252-259260, 9255149495, ईमेल: haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिका:- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।